

एमडी ड्रास के साथ आरोपी गिरफ्तार, 12.58 ग्राम नशीला पदार्थ जब्त



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ क्राइम ब्रांच ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को एमडी ड्रास के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 12.58 ग्राम एमडी ड्रास बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1.20 लाख रुपये बताई गई है।

क्राइम ब्रांच की टीम 22 सितंबर 2026 को शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में गश्त और चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पानी की टंकी के पास कंजर मोहल्ला मैदान में एक

संदिग्ध व्यक्ति पुलिस टीम को देखकर घबरा गया। संदेह होने पर पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम आमोन हुसैन, निवासी चंदननगर, इंदौर बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से 12.58 ग्राम एमडी ड्रास बरामद हुआ।

पुलिस ने आरोपी आमोन हुसैन को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ क्राइम ब्रांच थाने में अपराध क्रमांक 0151/2026 के तहत धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपी से मादक पदार्थ के स्रोत, सप्लायर और उससे

जुड़े नेटवर्क के संबंध में पूछताछ कर रही है।

पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पहले से चोरी, एनडीपीएस एक्ट और आबकारी एक्ट से जुड़े छह मामले दर्ज हैं। इनमें वर्ष 2017 में चंदननगर थाने में चोरी के चार प्रकरण, वर्ष 2022 में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक मामला और वर्ष 2023 में आबकारी एक्ट के तहत एक प्रकरण शामिल है। पुलिस के मुताबिक आरोपी कक्षा तीसरी तक पढ़ा है और मजदूरी करता है।

क्राइम ब्रांच के अनुसार वर्ष 2026 में 1 जनवरी से अब तक एनडीपीएस एक्ट के

तहत 72 प्रकरण दर्ज कर 154 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इन कार्रवाइयों में 3.06537 किलोग्राम एमडी ड्रास, 28.338 किलोग्राम गांजा, 500 किलोग्राम भांग, 346.22 ग्राम ब्राउन शुगर और 10 ग्राम कोकीन सहित करीब 3 करोड़ 89 लाख 46 हजार रुपये मूल्य के मादक पदार्थ और वाहन जब्त किए गए हैं।

पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार आरोपी से मिली जानकारी के आधार पर मादक पदार्थों की सप्लाई से जुड़े अन्य लोगों और नेटवर्क की जांच जारी है।

श्रीमद्भगवद्गीता में जीवन प्रबंधन पर एक दिवसीय संगोष्ठी



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृत विभाग एवं तेजस्वी भव महिला उत्थान मंडल के संयुक्त तत्वावधान में श्रीमद्भगवद्गीता में जीवन प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता अनिता अग्रवाल ने गीता के श्लोकों के माध्यम से कर्म, समत्व, आत्मसंयम एवं जीवन बंधन के सूत्रों को सरलता से समझाया। उन्होंने

विद्यार्थियों को गीता के जीवनोपयोगी संदेशों को दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत चन्द्रशेखर ने कहा कि वर्तमान जीवन में गीता का ज्ञान अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने विद्यार्थियों से गीता में निहित मूल्यों को अपने आचरण में उतारने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गीता का ज्ञान जीवन की विभिन्न चुनौतियों का संतुलित एवं सकारात्मक ढंग से सामना करने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुरेश कुमार चतुर्वेदी ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. मीनाक्षी सिंह ने किया। संगोष्ठी में छात्र-छात्राओं के साथ शैक्षणिक स्टाफ की गरिमाययी उपस्थिति रही।

साइन लैंग्वेज दिवस पर निकाली गई रैली



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के अंतर्गत श्रवणबाधित दिव्यांगजनों के प्रति सामाज में जागरूकता लाने की दृष्टि से आज अंतर्राष्ट्रीय बधिर सप्ताह प्रारंभ हुआ। सप्ताह के

दौरान बधिर लोगों के मानवाधिकारों की घोषणा थीम पर विभिन्न आयोजन किये जाएंगे। इसी सिलसिले में आज अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस पर जागरूकता रैली निकाली गई। कलेक्टर कार्यालय से लालबाग तक निकाली गई रैली में अशासकीय संस्था आनंद सर्विस सोसायटी इन्दौर, मूक बधिर संगठन इन्दौर, मूक बधिर एवं अंधशला एवं सजीवनी सेवा संगम इन्दौर के छात्र/छात्राएँ एवं स्टॉफ उपस्थित हुयें। जागरूकता रैली का शुभारंभ एसडीएम श्री घनश्याम धनगरने किया। रैली संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय श्री पवन चौहान के मार्गदर्शन में निकाली गई। अंतर्राष्ट्रीय बधिर सप्ताह श्रवणबाधित दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत समस्त शासकीय एवं अशासकीय संस्थाओं द्वारा अपने-अपने स्तर पर मनाया जाकर जागरूकता फैलाई जायेगी।

जवाहर टेकरी पर 25 सितंबर से होगा गणेश प्रतिमाओं का विधि-विधान से विसर्जन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अनंत चतुर्दशी के अवसर पर नगर निगम ने श्री गणेश प्रतिमाओं के ससम्मान और पर्यावरण हितैपी विसर्जन की व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। शहर से एकत्रित की जाने वाली गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन धार रोड स्थित जवाहर टेकरी गिड्डी खदान में वर्षाकाल के दौरान एकत्रित वर्षाजल में 25 सितंबर की दोपहर 12 बजे से विधि-विधान के साथ शुरू होगा। विसर्जन की प्रक्रिया 26 सितंबर तक जारी रहेगी। प्रभारी महापौर राजेंद्र राठौर और आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशन में नगर निगम द्वारा विसर्जन के साथ ही अनंत चतुर्दशी के झांकी चल समारोह को लेकर भी सुरक्षा और प्रकाश व्यवस्था की गई है। झांकी मार्ग पर 400 से अधिक कीसीटीवी कैमरे और दो ड्रोन कैमरों के माध्यम से निगरानी की जाएगी। इसके अलावा पूरे झांकी मार्ग को रोशन करने के लिए 5500 से अधिक हेलोजन और 1700 से अधिक मेटल लाइट लगाई गई हैं। सामान्य प्रशासन प्रभारी एवं श्री गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष नंदकिशोर पहाड़िया ने बताया कि इंदौर की परंपरा के अनुसार 25 सितंबर को अनंत चतुर्दशी पर शहर के मध्य क्षेत्र में भव्य गणेश विसर्जन चल समारोह आयोजित होगा। समारोह के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए आधुनिक निगरानी व्यवस्था के साथ पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था की गई है। नगर निगम इस बार गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए नई हाइड्रोलिक तकनीक का उपयोग करेगा। जलकार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा 'बबलू' के अनुसार नगर निगम वर्कशॉप में तैयार किए गए हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म की मदद से प्रतिमाओं का सुरक्षित, व्यवस्थित और ससम्मान विसर्जन किया जाएगा। निगम द्वारा शहर के 100 से अधिक स्थानों से गणेश प्रतिमाओं का एकत्रीकरण किया जाएगा। इसके साथ ही शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बनाए गए पर्यावरण हितैपी कुंडों में नागरिक स्वयं माटी से निर्मित गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन कर सकेंगे। नगर निगम का उद्देश्य प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान पर्यावरण और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना है। नगर निगम द्वारा 25 सितंबर को सुबह से 26 सितंबर को सुबह 10 बजे तक शहर के निर्धारित स्थानों पर गणेश प्रतिमाओं के एकत्रीकरण की व्यवस्था की गई है। निगम ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अपनी प्रतिमाएं निर्धारित स्थानों पर ही सौंपें और पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता अभियान में सहयोग करें।

इंदौर में अवैध कॉलोनी पर जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण तथा अवैध रूप से कॉलोनी विकसित करने वालों के विरुद्ध कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी सिलसिले में आज जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम सनावदिया में सरकारी पट्टे की जमीन पर बनी अवैध कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया। एसडीएम श्री अजय भूषण शुक्ला, तहसीलदार श्री अनिल पटेल तथा श्री अजय अहिरवार और राजस्व अमले ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर निर्माणधीन पकड़े निर्माण और सड़कों पर बुलडोजर चलाकर पूरी कॉलोनी को जमींदोज कर दिया।

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी अनंत चतुर्दशी पर निकलने वाले ऐतिहासिक झांकी चल समारोह को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बुधवार को प्रभारी महापौर राजेंद्र राठौर और महापौर परिषद के सदस्यों ने भंडारी ब्रिज तिरहे से राजबाड़ा तक झांकी मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान सड़क पेचवर्क, विद्युत, स्ट्रीट लाइट, सफाई सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

प्रभारी महापौर राजेंद्र राठौर के साथ महापौर परिषद सदस्य नंद किशोर पहाड़िया, अधिनी शुक्ल और अभिषेक शर्मा बबलू ने



झांकी मार्ग के विभिन्न हिस्सों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, विभागा प्रमुख, जोनल अधिकारी और अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। टीम ने भंडारी ब्रिज चौराहा, श्रम शिविर,

चिंकमंगलूर चौराहा, जेल रोड, नावेल्टी मार्केट, जेल रोड चौराहा, एमजी रोड स्थित अग्रवाल स्टोर्स, मृगयनी चौराहा, कृष्णपुरा छत्री, नंदलालपुरा रोड, फुट मार्केट, जवाहर मार्ग, गुरुद्वारा चौराहा, बंबई बाजार, नर्सिंह बाजार चौराहा, कपड़ा मार्केट, सीतलामाता बाजार, एमजी रोड, खजूरी बाजार रोड और राजबाड़ा सहित झांकी मार्ग के प्रमुख क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान प्रभारी महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि झांकी मार्ग पर सड़क पेचवर्क के साथ विद्युत व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट और सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखा जाए। उन्होंने कहा कि चल समारोह के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और नागरिकों की मौजूदगी को

देखते हुए सभी आवश्यक नागरिक सुविधाएं पहले से सुनिश्चित की जाएं। झांकी मार्ग और आसपास मौजूद जर्जर एवं खतरनाक भवनों को लेकर भी अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए गए। ऐसे भवनों का चिन्हकन कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने तथा संबंधित भवनों पर स्पष्ट सूचना बोर्ड लगाने के लिए कहा गया, ताकि झांकी देखने आने वाले नागरिकों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। प्रभारी महापौर ने अधिकारियों से कहा कि झांकी मार्ग की व्यवस्थाओं का लगातार निरीक्षण किया जाए और सभी जरूरी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे किए जाएं। चल समारोह के दौरान भी संबंधित विभागों की टीमों पर सक्रिय रहकर व्यवस्थाओं की निगरानी करेंगी, ताकि आयोजन के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो।

संभागायुक्त लाक्षाकार की अध्यक्षता में वर्चुअली रूप से सम्पन्न हुई संभागीय टास्क फोर्स समिति की बैठक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त श्री भास्कर लाक्षाकार ने कहा कि संभाग के सभी जिलों में अवैध कटाई, अतिक्रमण एवं अन्य गतिविधियों की रोकथाम के लिए विशेष कार्ययोजना बनाकर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। इस दिशा में सभी विभाग समन्वित प्रयास करें। उन्होंने कहा कि संभाग के जिलों में चिन्हित वनग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित करने की प्रक्रिया में भी तेजी लाई जाए।

उन्होंने यह निर्देश वर्चुअली रूप से सम्पन्न हुई संभागीय टास्क फोर्स समिति की बैठक में दिए। बैठक में संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, पुलिस महानिरीक्षक श्री अनुराग, मुख्य वन संरक्षक श्री प्रदीप मिश्रा, खंडवा, मुख्य वन संरक्षक श्री वासु कन्नैजिया, मुखमंडलाधिकारी श्री लाल सुधीर सिंह, प्रभारी उपायुक्त राजस्व श्रीमती शैली कनास, जनजातीय कार्य विभाग के



उपायुक्त श्री गणेश भाभर एवं अन्य संबंधित उपस्थित हुए। बैठक में संभागायुक्त श्री भास्कर लाक्षाकार ने निर्देश दिए कि वन अधिकार पट्टों की कार्रवाई नियमानुसार पारदर्शी रूप से करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वन अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्रत्येक लंबित प्रकरण का परीक्षण कर समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि वन क्षेत्रों में अवैध कटाई, अतिक्रमण तथा अन्य अवैध गतिविधियों के रोकथाम को गंभीरता से लिया जाए। इस संबंध में प्रभावी नियंत्रण के लिए जिला स्तर पर विशेष कार्ययोजना बनाकर उसके अनुरूप निरन्तर कार्रवाई की जाए। वन क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों और अतिक्रमण की रोकथाम के लिए वन विभाग के साथ ही पुलिस और राजस्व सहित सभी संबंधित विभाग समन्वय से कार्य करें।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने रिकॉर्ड रूम एवं सहायता केंद्र का किया आकस्मिक निरीक्षण

रिकॉर्ड की सुरक्षा और व्यवस्थित रखरखाव के लिए मजबूत व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के दिये निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने आज कलेक्टर कार्यालय स्थित रिकॉर्ड रूम का आकस्मिक निरीक्षण कर वहां अभिलेखों के रख-रखाव एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने रिकॉर्ड रूम में संधारित विभिन्न शासकीय अभिलेखों की स्थिति, उनके व्यवस्थित रख-रखाव तथा रिकॉर्ड की सुरक्षा के संबंध में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की।

कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिए कि रिकॉर्ड रूम की और अधिक व्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाया जाए। उन्होंने महत्वपूर्ण एवं पुराने शासकीय अभिलेखों को सुरक्षित रखने के लिए पर्याप्त रैक एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने रिकॉर्ड को व्यवस्थित ढंग से वर्गीकृत कर सुरक्षित रखने, अनधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश को नियंत्रित करने तथा रिकॉर्ड की सुरक्षा के लिए आवश्यक निगरानी एवं संरक्षण व्यवस्था प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण शासकीय दस्तावेजों का



सुरक्षित संधारण अत्यंत आवश्यक है, इसलिए रिकॉर्ड रूम की व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा भी की जाए।

सहायता केंद्र का किया निरीक्षण, नागरिकों से लिया फीडबैक- कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कलेक्टर कार्यालय में नागरिकों की सुविधा के लिए बनाए गए सहायता केंद्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने सहायता केंद्र के माध्यम से नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और मार्गदर्शन की जानकारी ली। इस दौरान

उन्होंने सहायता केंद्र पर आए नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं तथा उन्हें मिल रही सहायता के संबंध में फीडबैक भी लिया।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कलेक्टर कार्यालय में आने वाले प्रत्येक नागरिक को आवश्यक जानकारी एवं उचित मार्गदर्शन सहजता से उपलब्ध हो। विभिन्न शाखाओं एवं सेवाओं से संबंधित जानकारी के लिए नागरिकों को अनावश्यक रूप से इधर-उधर भटकना न पड़े तथा उनकी समस्या को संबंधित अधिकारी अथवा शाखा तक पहुंचाने में सहायता केंद्र प्रभावी माध्यम के रूप में कार्य करें।

कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि सहायता केंद्र का मूल उद्देश्य नागरिकों को सरल, सहज और सम्मानजनक तरीके से सहायता उपलब्ध कराना है। नागरिकों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सहायता केंद्र को कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाया जाए।

मनोज ढीगर के घर पंजाब के नवांशहर से रिशतेदार आए हुए थे। परिवार के सदस्य अंकित के साथ हरेंद्र सिंह, मुस्कान, अनिता, आशा और शुभम लिफ्ट से दूसरी मंजिल से नीचे आ रहे थे। इसी दौरान अचानक लिफ्ट टूट गई और तेजी से नीचे जा गिरी। कुछ ही सेकंड में हुए हादसे से अंदर चौख-पुकार मच गई। टीआई अनिल गुप्त के मुताबिक लिफ्ट में सवार सभी सात लोगों को चोटें आई हैं। ज्यादातर घायलों के पैरों में चोट लगी है। अंकित की हालत गंभीर बताई जा रही है और उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

40 साल पुरानी इमारत, मेंटेंनेंस पर सालाना नवलखा कॉम्प्लेक्स 40 साल से ज्यादा पुराना बताया जा रहा है। चौकीदार लखन के अनुसार लिफ्ट का लंबे समय से उचित मेंटेंनेंस नहीं हुआ था। प्रारंभिक तौर पर लिफ्ट में क्षमता से अधिक लोग सवार होने और तार टूटने की बात सामने आई है।

पालदा स्थित गोदाम में अवैध ज्वलनशील पदार्थ के भंडारण पर कड़ी कार्रवाई

लगभग 11,800 लीटर पेट्रोलियम गंधयुक्त तरल पदार्थ एवं 3,800 लीटर लुब्रिकेंट ऑयल मिला, गोदाम सील

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के उद्योग नगर, पालदा स्थित एक गोदाम में अवैध रूप से ज्वलनशील पदार्थ के भंडारण की सूचना पर प्रशासन की टीम द्वारा कड़ी कार्रवाई की गई। जांच के दौरान गोदाम में 46 लोहे के ड्रums में लगभग 11,800 लीटर पेट्रोलियम गंधयुक्त तरल पदार्थ संग्रहित पाया गया। इसके अतिरिक्त, गोदाम में 19 ड्रums में लगभग 3,800 लीटर लुब्रिकेंट ऑयल भी मिला।

जांच के दौरान गोदाम के अंदर खड़े वाहन क्रमांक MP09GH2935 में 12 ड्रम तथा वाहन क्रमांक MP09LP9938 में 1 ड्रम संग्रहित पाया



गया। मौके पर उपस्थित सौरभ सोलंकी ने बताया कि गोदाम का संचालन विनय अग्रवाल एवं विनोद अग्रवाल द्वारा किया जाता है, जो कार्रवाई के दौरान अनुपस्थित थे। गोदाम के बाहर ट्रक

टैकर क्रमांक MP09KD1696 भी खड़ा पाया गया।

कार्रवाई के दौरान दोनों वाहनों में पाए गए पदार्थों सहित लगभग 11,800 लीटर ईंडस्ट्रियल सॉल्वेंट को जब्ती पंचनामा अनुसार जब्त कर सौरभ सोलंकी की सुपुर्दगी में दिया गया। मौके पर खड़े ऑयल टैकर क्रमांक रब्ड9यड1696 को जब्त कर पुलिस थाना भंवरकुआ की अपिरक्षा में सीपा गया।

अवैध रूप से संचालित गोदाम को सील कर जब्त पेट्रोलियम पदार्थ के नमूने लिए गए। प्रकरण में आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत कार्रवाई करते हुए प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

इंदौर जिले में स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के तहत आयुर्वेद अपनाने से स्वस्थ जीवन की ओर बढ़ते कदम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में 23 सितंबर 2026 को 25 शासकीय आयुर्वेद औषधालय, आयुष विंग एवं एकीकृत आयुष चिकित्सालय द्वारा जिला प्रशासन इंदौर के जिलाधीश श्री शिवम वर्मा जी एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया के निर्देशन में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों एवं स्कूल स्टाफ का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। परीक्षण के बाद आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी परामर्श एवं औषधियों का वितरण किया गया। बच्चों के स्वस्थ जीवनशैली के लिए दिनचर्या, ऋतुचर्या, स्वास्थ्यवर्धक आहार एवं उचित विहार के महत्व की जानकारी दी गई।

इस दौरान विद्यार्थियों को योग के महत्व से अवगत कराते हुए विभिन्न योग मुद्राओं एवं अभ्यासों से अवगत कराया गया, साथ ही आयुर्वेद और योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए बच्चों को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को समय-समय पर आयुर्वेद एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया

जाना अति आवश्यक है। आंगनवाड़ी केंद्रों में महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण- आंगनवाड़ी केंद्रों में भी स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में प्रभारी चिकित्साधिकारी, सीएएमओ, पैरामेडिकल स्टॉफ द्वारा किशोरियों, महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर रोगानुसार आवश्यक उपचार एवं परामर्श दिया गया।

सम्पादकीय

दिल्ली में छात्रों के लिए आवास संकट, किराये के बाजार और सरकारी नीति पर उठे सवाल

शहर देश की आर्थिक वृद्धि के शक्तिशाली चालक होते हैं। ऐसे में जब निर्माता खुदरा विक्रेता को दवा लगभग १2,7०0 (पीटीआर - प्राइस टू रिटेलर) में बेचता है, लेकिन उस पर एमआरपी १27,000 छपी होती है, तो यह केवल कीमत बढ़ना नहीं, मजबूरी को दस गुना महंगा करना है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ-जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता-के सामने यही तथ्य आया तो अदालत ने इसे मरीजों के साथ -दिनदहाड़े डकैती- बताया। यह टिप्पणी उस कठोर सच को सामने लाती है, जहां किसी अपने को बचाने के लिए परिवार जमीन बेचता है, गहने गिरवी रखता है और जीवनभर की बचत झोंक देता है, फिर भी दवा की कीमत के आगे असहाय रहता है। दवा का काम जीवन बचाना है, परिवार की जमा-पूजी खत्म करना नहीं। जीवनरक्षक दवाओं की कीमत ऐसी होनी चाहिए, जहां इलाज की उम्मीद मजबूत हो और आर्थिक विवशता कमजोर।

दवा पर मुनाफा अनुचित नहीं, लेकिन जीवनरक्षक दवा की कीमत मनमानी कैसे स्वीकार्य हो? सवाल है-मुनाफे की सीमा कौन तय करेगा? एनपीपीए (राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण) के तहत अनुसूचित दवाओं के अधिकतम निर्धारित मूल्य की व्यवस्था है, लेकिन बड़ी संख्या में दवाएं गैर-अनुसूचित हैं। याचिका में लगभग 82 प्रतिशत दवाओं के इसी दायरे में होने और शुरुआती कीमत तय करने की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। यही नियमन की बड़ी कमजोरी है। कीमत तय करने की प्रक्रिया

दवा पर मुनाफा अनुचित नहीं, लेकिन जीवनरक्षक दवा की कीमत मनमानी कैसे स्वीकार्य हो? सवाल है-मुनाफे की सीमा कौन तय करेगा? एनपीपीए (राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण) के तहत अनुसूचित दवाओं के अधिकतम निर्धारित मूल्य की व्यवस्था है, लेकिन बड़ी संख्या में दवाएं गैर-अनुसूचित हैं। याचिका में लगभग 82 प्रतिशत दवाओं के इसी दायरे में होने और शुरुआती कीमत तय करने की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। यही नियमन की बड़ी कमजोरी है। कीमत तय करने की प्रक्रिया

हालाँकि, व्यक्तिगत दवाघोषण से बहुत कम स्पष्टीकरण मिलता है। ढहने के बाद निलंबित किए गए इंजीनियरों ने यह तय नहीं किया था कि दिल्ली हर साल प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों को कैसे आवास प्रदान करेगी, और गिरफ्तार किए गए मलिक उस मांग को पूरा कर रहे थे जिसे सार्वजनिक व्यवस्था ने अधूरा छोड़ दिया था।

समस्या शहर की घनी आबादी (डेंसिटी)भी नहीं है, जिस पर आमतौर पर यह चर्चा आकर समाप्त होती है। दिल्ली एक घनी आबादी वाला शहर है और आगे भी अधिक घनी आबादी वाला बना रहेगा, क्योंकि भारतीय शहरों को उत्पादक बने रहने के लिए ऐसा लाजिमी है। असल अंतर यह है कि एक डेंसिटी ऐसी है जिसे योजना बनाकर, पैसा लगाकर और निरीक्षण के बाद बनाया गया है और दूसरी डेंसिटी बिना किसी योजना के छोटे भूखंडों पर तात्कालिक रूप से तैयार की गई है जिसे कि राजधानी में अनजाने में मंजूरी दे दी गई है।

घोड़ा गाड़ी के जमाने के लिए बनाए गए पुराने भवन निर्माण मानकों के कारण शहरों को इसी तरह के जुगाड़ करने पड़ते हैं। दिल्ली की पुरानी कॉलोनियों का फ्लोर एरिया रेश्यो (एफएआर) लगभग 1.5 था, और राजधानी का अधिकांश हिस्सा आज भी एशियाई व्यापारिक जिलों की तुलना में काफी नीचे है। किसी भूखंड की ऊंचाई सीमित करने से उस पर पड़ने वाली मांग कम नहीं होती, बल्कि इससे हर अनधिकृत प्रावधान का मूल्य बढ़ जाता है। नए मास्टर प्लान में प्रस्तावित पुनर्निर्माण प्रणाली और अतिरिक्त एफएआर इसी समस्या का समाधान करते हैं, और जितनी जल्दी यह ढांचा तय हो जाएगा, उतनी ही जल्दी किसी पुरानी इमारत का पुनर्निर्माण आर्थिक रूप से संभव हो जाएगा। दिल्ली विश्वविद्यालय अपने 91 कॉलेजों में तीन और चार वर्षीय पाठ्यक्रमों में 1,14,000 से अधिक छात्रक छात्रों को दाखिला देता है और उन्हें 4,577 छात्रावास बिस्तर उपलब्ध कराता है, जिनमें से 3,145 महिलाओं के लिए और 1,432 पुरुषों के लिए हैं। श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, जिसके छात्र उसी गली में रहते हैं जहां इमारत गिरी थी, में 4,500 छात्र हैं और केवल 150 छात्रावास सीटें हैं।

सहजयोग मात्र तकनीक नहीं, विवेकपूर्ण जीवन की आधारशिला है



आज मनुष्य के पास सुविधाएँ बहुत हैं, लेकिन शांति कम है। सूचना के अनेक साधन हैं, परंतु स्वयं को समझने का समय कम है। प्रतिस्पर्धा, अपेक्षाएँ और तनाव हमारे विचारों तथा व्यवहार को प्रभावित करते हैं। ऐसे समय में सहजयोग को केवल ध्यान की तकनीक के रूप में देखना उसके व्यापक महत्व को सीमित करना होगा। सहजयोग श्री माताजी निर्मला देवी

जी द्वारा स्थापित सनातन संस्कृति व

प्राचीन आध्यात्मिक विज्ञान पर आधारित ध्यान पद्धति है। यह कुंडलिनी जागरण का महायोग है।भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं में कुंडलिनी को मनुष्य के भीतर स्थित एक सूक्ष्म आध्यात्मिक शक्ति के रूप में वर्णित किया गया है। सहजयोग में आत्म-साक्षात्कार की प्रक्रिया के माध्यम से इस आंतरिक शक्ति का जागरण होता है और इस शक्ति का सहस्रार चक्र की ओर आरोहण होता है। इसे किसी बाहरी प्रदर्शन के बजाय अपने भीतर की चेतना को अनुभव करने और आत्म-जागरूकता विकसित करने की प्रक्रिया के रूप में समझा जा सकता है।

इस प्रक्रिया में साधक शांत होकर बैठता है, ध्यान को अपने भीतर केंद्रित करता है और सहज भाव से श्री माताजी से आत्म-साक्षात्कार की प्रार्थना करता है। इसके बाद ध्यान के माध्यम से विचारों की निरंतर गति शांत होती है और साधक सजगता के साथ वर्तमान क्षण में स्थित होता है। सहजयोग ध्यान का उद्देश्य व्यक्ति को अपने भीतर की सूक्ष्म अनुभूति के प्रति अधिक जागरूक बनाना है।

उदाहरण के लिए यदि बच्चा पढ़ाई के बजाय मोबाइल में व्यस्त है, तो माता-पिता तुरंत क्रोध करने के बजाय शांतिपूर्वक संवाद कर सकते हैं। इसी प्रकार सड़क पर किसी वाहन चालक की गलती से विवाद की स्थिति उत्पन्न हो जाए, तो कुछ क्षण रुककर प्रतिक्रिया पर नियंत्रण रखना एक छोटी-सी घटना को बड़े विवाद में बदलने से रोक सकता है।

विद्यार्थी के जीवन में भी आत्म-जागरूकता महत्वपूर्ण है। परीक्षा में कम अंक आने पर एक विद्यार्थी स्वयं को असफल मान सकता है, जबकि दूसरा शांत मन से अपनी कमियों को पहचानकर सुधार की योजना बना सकता है। परिस्थिति समान है, लेकिन भीतर की स्थिति और प्रतिक्रिया अलग है।

यही सहजयोग की व्यापक उपयोगिता का एक महत्वपूर्ण पक्ष है। कुंडलिनी जागरण केवल एक विशेष आध्यात्मिक अनुभव नहीं है, बल्कि आत्म-साक्षात्कार, ध्यान और आत्मनिरीक्षण को दैनिक जीवन में सजगता विकसित करने का साधन है। जब व्यक्ति अपने विचारों और प्रतिक्रियाओं को देखने लगता है, तब निर्णय अधिक संतुलित हो जाते हैं और संबंधों में धैर्य तथा संवेदनशीलता बढ़ जाती है। आज तकनीक हमें बाहरी दुनिया से जोड़ती है, लेकिन आत्म-जागरूकता हमें स्वयं से जोड़ती है। ज्ञान यह बता सकता है कि क्या करना है, विवेक यह समझने में सहायता करता है कि कम, कैसे और क्यों करना है, भावना से करना है। अंततः सहजयोग केवल ध्यान करने की विधि नहीं, बल्कि आत्म-साक्षात्कार से दैनिक जीवन तक जाने वाली एक समग्र साधना के है। कुंडलिनी जागरण, ध्यान और आत्मनिरीक्षण के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर शांति और सजगता विकसित करने का प्रयास करता है। जब यह सजगता परिवार, शिक्षा, कार्य और सामाजिक व्यवहार में दिखाई देने लगे, तब सहजयोग का वास्तविक जीवन-मूल्य अधिक स्पष्ट होता है।

कैसर के इलाज की हर अगली खुराक के साथ परिवार की एक उम्मीद जुड़ी होती है। ऐसे में जब निर्माता खुदरा विक्रेता को दवा लगभग १2,7०0 (पीटीआर - प्राइस टू रिटेलर) में बेचता है, लेकिन उस पर एमआरपी १27,000 छपी होती है, तो यह केवल कीमत बढ़ना नहीं, मजबूरी को दस गुना महंगा करना है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ-जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता-के सामने यही तथ्य आया तो अदालत ने इसे मरीजों के साथ -दिनदहाड़े डकैती- बताया। यह टिप्पणी उस कठोर सच को सामने लाती है, जहां किसी अपने को बचाने के लिए परिवार जमीन बेचता है, गहने गिरवी रखता है और जीवनभर की बचत झोंक देता है, फिर भी दवा की कीमत के आगे असहाय रहता है। दवा का काम जीवन बचाना है, परिवार की जमा-पूजी खत्म करना नहीं। जीवनरक्षक दवाओं की कीमत ऐसी होनी चाहिए, जहां इलाज की उम्मीद मजबूत हो और आर्थिक विवशता कमजोर।

दवा पर मुनाफा अनुचित नहीं, लेकिन जीवनरक्षक दवा की कीमत मनमानी कैसे स्वीकार्य हो? सवाल है-मुनाफे की सीमा कौन तय करेगा? एनपीपीए (राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण) के तहत अनुसूचित दवाओं के अधिकतम निर्धारित मूल्य की व्यवस्था है, लेकिन बड़ी संख्या में दवाएं गैर-अनुसूचित हैं। याचिका में लगभग 82 प्रतिशत दवाओं के इसी दायरे में होने और शुरुआती कीमत तय करने की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। यही नियमन की बड़ी कमजोरी है। कीमत तय करने की प्रक्रिया

हड़ और विषाक्त होती राजनीति

इंदौर में राहुल गांधी का छात्रों की गुंज कार्यक्रम इसलिए अधिक चर्चा में रहा, क्योंकि इसमें एक कामेडियन को बुलाकर उससे प्रधानमंत्री मोदी की मिमिक्री कराई गई। राहुल गांधी इस कामेडियन के सहयोगी के रूप में उत्साहित होकर उसका साथ देते नजर आए। नेताओं, अभिनेताओं और अन्य नामचीन लोगों की मिमिक्री कोई नई-अनोखी बात नहीं है, लेकिन यह अजीब ही कहा जाएगा कि राहुल गांधी ने छात्रों के मुहों को उजागर करने के लिए अपने मंच पर एक कामेडियन को बुलाकर प्रधानमंत्री की मिमिक्री कराना पसंद किया। इस मिमिक्री के जरिये प्रधानमंत्री की विदेश नीति की रीति-नीति का मजाक उड़या गया। इसी क्रम में एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री की ओर से एक बुजुर्ग महिला को कुर्सी देने के आग्रह का भी मजाक उड़या गया। यह निहायत भोड़ा और जुगुप्सा पैदा करने वाला रहा।

आखिर किसी बुजुर्ग महिला को कुर्सी उपलब्ध करने के सहज मानवीय व्यवहार का मजाक कैसे उड़या जा सकता है, लेकिन कांग्रेस को इसमें कुछ भी आपत्तिजनक नहीं लगा। आजकल कामेडी के नाम पर भोंडपन की हद पार होने लगी है, लेकिन नेता-प्रतिपक्ष के मंच से ऐसा होना यह बताता है कि राजनीति विवेक के साथ स्तरहीन होती जा रही है। यह स्तरहीनता राजनीति को फूहड़ और विषाक्त ही बना रही है। इसमें सभी दलों का योगदान है, किसी का कम तो किसी का ज्यादा। राजनीतिक दल अब विरोधी दल को प्रतिस्पर्धी के स्थान पर शत्रु के रूप में देखने लगे हैं। उनके बीच का यह शत्रुभाव अब समाज में गहर करने लगा है। राहुल गांधी के मंच से पहली बार प्रधानमंत्री और उनकी विदेश नीति का भद्दे तरीके से मजाक नहीं उड़या गया। कुछ समय पहले भी ऐसा ही हुआ था और तब इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी का अमर्यादित तरीके से उल्लेख किया गया था। यह उल्लेख कांग्रेस के पूर्व सांसद संदीप दीक्षित ने किया था और उनके ऐसा करने पर राहुल गांधी हंसेते हुए दिखाई दिए थे।

कांग्रेस ने इस प्रसंग का भी बचाव किया था। यह किसी से छिपा कि वह राहुल गांधी प्रधानमंत्री के खिलाफ जिस तरह तू-तख़्त वाली भाषा का इस्तेमाल करते रहे हैं। वह उन्हें चोर, डक़ीन आदि कह चुके हैं। इसके अतिरिक्त ऐसे शब्दों का भी इस्तेमाल कर चुके हैं कि वह मुझसे आंख नहीं मिला सकता... डरता है। जब भाजपा राहुल गांधी के ऐसे कृत्यों और कथनों का विरोध करती है तो कांग्रेसियन उनका जोर-शोर से समर्थन करने के लिए आगे आ जाते हैं। इस पर कई बार भाजपा पर अमर्यादित टिप्पणियां की जाती हैं। इस तरह भारतीय राजनीति हर दिन हमसे अधिक स्तरहीन होती जा रही है और भाषा की मर्यादा की कोई पवाह नहीं कर रहा है। आम तौर पर पहले चुनावों के दौरान ही राजनीतिक दलों के बीच एक-दूसरे के प्रति तीखी बयानबाजी होती थी और इस क्रम में कई बार अमर्यादित और अशालीन टिप्पणियां कर दी जाती थीं, लेकिन अब ऐसा स्पष्ट होता रहता है और यहां तक कि संसद के भीतर भी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत के हालिया अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन दौर के दौरान व्यक्त विचार न केवल संघ के कटु आलोचकों, बल्कि संघ के वृहत्तर संगठनों में सक्रिय परंपरावादीयों के लिए एक कुछ अचरज भरे रहे। न्यूयार्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन और अन्य आयोजनों में सरसंघचालक द्वारा बहुलतावाद और विविधता की महता का बखान सुनकर संघ के विरोधी यकीनन अवाक रह गए होंगे।

जब संघ जब अपनी स्थापना के सौ वर्ष पूरे कर रहा है, तब कट्टरपंथियों और छद्म-पंथानिरपेक्षतावादियों के विषले नैरेटिव को लपक कर आगे बढ़ने वाले संघ विरोधियों को यह सुनकर तगड़ा झटका लगा होगा कि भागवत समानता, बंधुत्व और बहुलता को लोकतांत्रिक जीवन का मूल आधार बता रहे हैं।इससे भी अधिक उल्लेखनीय उनका विविधता को हिंदू चिंतन का आत्मा बताना और यह रेखांकित करना रहा कि भारत में एक उदार लोकतंत्र के सभी गुण इसीलिए समाहित हैं, क्योंकि ये मूल्य उसकी सभ्यतागत जड़ों से ही उजेे हैं।

इस दौरान उनका यह बयान बहुत चर्चित रहा कि भारत में कोई मुस्लिम नहीं होना चाहिए, ऐसा सोचने वाला सच्चा हिंदू नहीं हो सकता। ‘सच्चे हिंदू’ की उनको यह परिभाषा समूचे संघ परिवार के लिए समग्रता से परिपूर्ण सतर्कता संदेश की भांति होनी चाहिए। विशेष रूप से कुछ अनुपंगी संगठनों और अन्य अनेक कट्टरपंथियों के लिए उलझनी भी, जो अक्सर मुस्लिम और ईसाई अल्पसंख्यकों के साथ तनावग्रस्त टकराव बढ़ाते रहते हैं।

यह बयान भाजपा जैसे राजनीतिक संगठन के लिए भी एक परोक्ष संदेश और विवेकसम्पत सलाह कही जा सकती है, क्योंकि केंद्र और कई राज्यों की सत्ता पर काबिज होने के बावजूद उसके कई नेता अन्य मतवाल्बिंधियों के विरुद्ध अप्रिय टिप्पणियां करने से बाज नहीं आते। भागवत की टिप्पणी वस्तुतः शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की हिमायत करने वाली है। यदि उनके इस विचार को आत्मसात कर मूर्त रूप दिया गया तो इससे सामाजिक समरसता का भाव बहुत सशक्त होगा।

न्यूयार्क में आयोजित खस अंतरराष्ट्रीय धार्मिक सम्मेलन में

पारदर्शी न हो, तो एमआरपी अधिकतम खुदरा मूल्य नहीं, मरीज की मजबूरी की अधिकतम कीमत बन सकती है। सवाल सीधा है-जब दवा खुदरा विक्रेता को १2,7०0 (पीटीआर) में मिलती है, तो १27,000 की एमआरपी किस आधार पर?

कीमत तब समस्या है, जब नियम हों और निगरानी गायब। दवा मूल्य नियंत्रण आदेश, 2013 ने कीमतों पर नियंत्रण का ढांचा बनाया, लेकिन गैर-अनुसूचित दवाओं की मूल्य-व्यवस्था और निगरानी अब भी सवालों में है। एनपीपीए गैर-अनुसूचित दवाओं की कीमतों पर निगाह रखता है और सामान्य परिस्थितियों में सालाना मूल्यवृद्धि की सीमा 10 प्रतिशत है। फिर भी शुरुआती कीमत और बाजार मूल्य के बीच असामान्य अंतर खत्म नहीं हुआ। सवाल है-जिस व्यवस्था का काम मरीज को कीमत की मनमानी से बचाना है, उसकी निगाह तब क्यों पड़ती है, जब दवा उसकी पहुंच से बाहर हो चुकी होती है? अदालत ने अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाया है। सवाल एक विभाग का नहीं, पूरी नियामक व्यवस्था का है-जब मरीज की जेब कट रही थी, तब निगरानी तंत्र कहाँ था?

मरीज अस्पताल पहुंचता है इलाज के लिए, लेकिन कई बार वहीं उसकी खरीदने की मजबूरी शुरू हो जाती है। आरोप है कि कुछ निजी अस्पताल मरीजों को अपनी इन-हाउस फार्मसी से दवा लेने के लिए बाध्य करते हैं, जिससे बाहर उपलब्ध सस्ती दवा का विकल्प लंगभग खत्म हो जाता है। बीमारी में मरीज के पास न मोलभाव की ताकत होती है, न विकल्प तलाशने का

पत्रकार कौन है और प्रचारक कौन?

आज के दौर में यह पहचानना पहले से कहीं अधिक कठिन होता जा रहा है कि पत्रकार कौन है और प्रचारक कौन। समाचार माध्यमों की संख्या बढ़ी है, सूचना के स्रोत बढ़े हैं और सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अपनी बात कहने का मंच दिया है। लेकिन इसी विस्तार के बीच पत्रकारिता की मूल भूमिका को लेकर एक गंभीर प्रश्न खड़ा हुआ है-क्या पत्रकारिता अभी भी सत्ता से सवाल करने का माध्यम है, या वह राजनीतिक और वैचारिक खेमेबंदी का हिस्सा बनती जा रही है? यह प्रश्न किसी एक व्यक्ति, संस्था, चैनल या विचारधारा तक सीमित नहीं है। लोकतंत्र में पत्रकारिता की विश्वसनीयता का प्रश्न इससे कहीं व्यापक है।

आज मीडिया पर अक्सर यह आरोप लगाया जाता है कि पत्रकारिता दो स्पष्ट खेमों में बंट गई है। एक खेमा सत्ता की लगभग हर नीति, निर्णय और बयान का बचाव करता दिखाई देता है, जबकि दूसरा सत्ता के लगभग हर कदम में कमी या दोष तलाशता नजर आता है। दोनों के अपने दर्शक, पाठक और समर्थक हैं। दोनों के पास अपने तर्क हैं और दोनों के आपसप अपनी-अपनी वैचारिक भीड़ है। समस्या यह नहीं कि पत्रकार सत्ता की आलोचना करता है या किसी नीति का समर्थन करता है। समस्या तब पैदा होती है जब पत्रकार की भूमिका ही किसी राजनीतिक पक्ष के समर्थन या विरोध तक सीमित हो जाए।

पत्रकारिता का काम सत्ता के पक्ष में खड़ा होना नहीं है। लेकिन उसका काम केवल सत्ता के विरोध में खड़ा होना भी नहीं है। उसका वास्तविक दायित्व सत्ता के सामने खड़ा होकर सवाल पूछना है। लोकतंत्र में सत्ता किसी एक दल, नेता या सरकार का निजी अधिकार नहीं होती। सत्ता जनता से प्राप्त जिम्मेदारी है और पत्रकारिता उस जिम्मेदारी की सार्वजनिक निगरानी का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसलिए पत्रकार का पहला दायित्व किसी पार्टी, नेता या विचारधारा के प्रति नहीं, बल्कि तथ्यों, संविधान, लोकतांत्रिक संस्थाओं और जनहित के प्रति होना चाहिए।

यही कारण है कि पत्रकारिता में सवाल पूछना सबसे महत्वपूर्ण काम है। सरकार कोई निर्णय ले तो सवाल होना चाहिए कि वह निर्णय क्यों लिया गया, उसका उद्देश्य क्या है, उसका लाभ किसे मिलेगा, उसका नुकसान किसे उठाना पड़ेगा, उसके लिए कितना सार्वजनिक धन खर्च होगा और उसके परिणामों को कैसे मापा जाएगा। इसी तरह विपक्ष कोई दावा करे तो सवाल होना चाहिए कि उस दावे के तथ्य क्या हैं, उसका आधार क्या है, क्या उसका कोई वैकल्पिक प्रस्ताव है और उसके वादे कितने व्यावहारिक हैं। सवाल का पैमाना व्यक्ति या दल नहीं, तथ्य और जनहित होना चाहिए।

आज पत्रकारिता के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल राजनीतिक दबाव नहीं है। एक दूसरी चुनौती भी उतनी ही गंभीर

संघ की प्राथमिकता में समरसता

भागवत ने भाग लिया, उसमें एक पांच-सूत्रीय कार्ययोजना एवं प्रस्ताव पर भी सहमति बनी। इस प्रस्ताव में घृणा, हिंसा या अमानवीयकरण को जायज ठहराने के लिए पंथ के इस्तेमाल जैसी अवधारणाओं का पुरजोर विरोध किया गया। यह रहस्य भारत के न्यूयार्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन और अन्य आयोजनों में सरसंघचालक द्वारा बहुलतावाद और विविधता की महता का बखान सुनकर संघ के विरोधी यकीनन अवाक रह गए होंगे। जब संघ जब अपनी स्थापना के सौ वर्ष पूरे कर रहा है, तब कट्टरपंथियों और छद्म-पंथानिरपेक्षतावादियों के विषले नैरेटिव को लपक कर आगे बढ़ने वाले संघ विरोधियों को यह सुनकर तगड़ा झटका लगा होगा कि भागवत समानता, बंधुत्व और बहुलता को लोकतांत्रिक जीवन का मूल आधार बता रहे हैं।इससे भी अधिक उल्लेखनीय उनका विविधता को हिंदू चिंतन का आत्मा बताना और यह रेखांकित करना रहा कि भारत में एक उदार लोकतंत्र के सभी गुण इसीलिए समाहित हैं, क्योंकि ये मूल्य उसकी सभ्यतागत जड़ों से ही उजेे हैं।

इस दौरान उनका यह बयान बहुत चर्चित रहा कि भारत में कोई मुस्लिम नहीं होना चाहिए, ऐसा सोचने वाला सच्चा हिंदू नहीं हो सकता। ‘सच्चे हिंदू’ की उनको यह परिभाषा समूचे संघ परिवार के लिए समग्रता से परिपूर्ण सतर्कता संदेश की भांति होनी चाहिए। विशेष रूप से कुछ अनुपंगी संगठनों और अन्य अनेक कट्टरपंथियों के लिए उलझनी भी, जो अक्सर मुस्लिम और ईसाई अल्पसंख्यकों के साथ तनावग्रस्त टकराव बढ़ाते रहते हैं।

यह बयान भाजपा जैसे राजनीतिक संगठन के लिए भी एक परोक्ष संदेश और विवेकसम्पत सलाह कही जा सकती है, क्योंकि केंद्र और कई राज्यों की सत्ता पर काबिज होने के बावजूद उसके कई नेता अन्य मतवाल्बिंधियों के विरुद्ध अप्रिय टिप्पणियां करने से बाज नहीं आते। भागवत की टिप्पणी वस्तुतः शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की हिमायत करने वाली है। यदि उनके इस विचार को आत्मसात कर मूर्त रूप दिया गया तो इससे सामाजिक समरसता का भाव बहुत सशक्त होगा।

न्यूयार्क में आयोजित खस अंतरराष्ट्रीय धार्मिक सम्मेलन में भागवत ने भाग लिया, उसमें एक पांच-सूत्रीय कार्ययोजना एवं प्रस्ताव पर भी सहमति बनी। इस प्रस्ताव में घृणा, हिंसा या अमानवीयकरण को जायज ठहराने के लिए पंथ के इस्तेमाल जैसी अवधारणाओं का पुरजोर विरोध किया गया। यह रहस्य भारत के न्यूयार्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन और अन्य आयोजनों में सरसंघचालक द्वारा बहुलतावाद और विविधता की महता का बखान सुनकर संघ के विरोधी यकीनन अवाक रह गए होंगे। जब संघ जब अपनी स्थापना के सौ वर्ष पूरे कर रहा है, तब कट्टरपंथियों और छद्म-पंथानिरपेक्षतावादियों के विषले नैरेटिव को लपक कर आगे बढ़ने वाले संघ विरोधियों को यह सुनकर तगड़ा झटका लगा होगा कि भागवत समानता, बंधुत्व और बहुलता को लोकतांत्रिक जीवन का मूल आधार बता रहे हैं।इससे भी अधिक उल्लेखनीय उनका विविधता को हिंदू चिंतन का आत्मा बताना और यह रेखांकित करना रहा कि भारत में एक उदार लोकतंत्र के सभी गुण इसीलिए समाहित हैं, क्योंकि ये मूल्य उसकी सभ्यतागत जड़ों से ही उजेे हैं।

समय। डॉक्टर पर भरोसा, अस्पताल पर निर्भरता और दवा की तत्काल जरूरत-तीनों उसे ऐसा खरीदार बना देते हैं, जिसके पास -नहीं- कहने का विकल्प नहीं बचता। या तो महंगी दवा खरीदिए या इलाज के जोखिम को स्वीकार कीजिए। बाजार इसे बित्री कह सकता है, लेकिन मरीज के लिए यह मजबूरी है। मजबूरी से कमयाा हर अतिरिक्त रुपया केवल व्यापारिक लाभ नहीं, गंभीर नैतिक सवाल है।

मरीज की जेब का बोझ जब सरकारी खजाने तक पहुंचे, तो मामला केवल महंगी दवा का नहीं रहता। अस्पताल ऊंची कीमत पर दवा खरीदता है और सरकारी योजना से प्रतिपूर्ति लेता है। यानी बड़ी कीमत सार्वजनिक धन पर भी बोझ बनती है। अदालत के सामने आयुष्मान भारत सहित सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं में बढ़ी दवा कीमतों पर प्रतिपूर्ति को लेकर चिंता जताई गई, जिसे अदालत ने स्पष्ट धोखाधड़ी और टेक्सपेयर के पैसे का नुकसान बताया। आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का उद्देश्य गरीब परिवारों को इलाज के आर्थिक बोझ से बचाना है। कीमतों में पारदर्शिता कमजोर हो, तो राहत का पैसा मरीज तक पहुंचने के बजाय मूल्य-श्रृंखला में कहीं और जा सकता है। यह केवल सरकारी धन का नुकसान नहीं, कल्याणकारी व्यवस्था के भरोसे पर चोट है।

कीमत का अंतर जितना बड़ा, जवाबदेही का सवाल उतना सीधा। दवा निर्माता, वितरक, विक्रेता, अस्पताल और नियामक-हर कड़ी की भूमिका है; किसी एक को दोषी ठहराने से समस्या खत्म नहीं होगी। लेकिन

समय। डॉक्टर पर भरोसा, अस्पताल पर निर्भरता और दवा की तत्काल जरूरत-तीनों उसे ऐसा खरीदार बना देते हैं, जिसके पास -नहीं- कहने का विकल्प नहीं बचता। या तो महंगी दवा खरीदिए या इलाज के जोखिम को स्वीकार कीजिए। बाजार इसे बित्री कह सकता है, लेकिन मरीज के लिए यह मजबूरी है। मजबूरी से कमयाा हर अतिरिक्त रुपया केवल व्यापारिक लाभ नहीं, गंभीर नैतिक सवाल है।

मरीज की जेब का बोझ जब सरकारी खजाने तक पहुंचे, तो मामला केवल महंगी दवा का नहीं रहता। अस्पताल ऊंची कीमत पर दवा खरीदता है और सरकारी योजना से प्रतिपूर्ति लेता है। यानी बड़ी कीमत सार्वजनिक धन पर भी बोझ बनती है। अदालत के सामने आयुष्मान भारत सहित सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं में बढ़ी दवा कीमतों पर प्रतिपूर्ति को लेकर चिंता जताई गई, जिसे अदालत ने स्पष्ट धोखाधड़ी और टेक्सपेयर के पैसे का नुकसान बताया। आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का उद्देश्य गरीब परिवारों को इलाज के आर्थिक बोझ से बचाना है। कीमतों में पारदर्शिता कमजोर हो, तो राहत का पैसा मरीज तक पहुंचने के बजाय मूल्य-श्रृंखला में कहीं और जा सकता है। यह केवल सरकारी धन का नुकसान नहीं, कल्याणकारी व्यवस्था के भरोसे पर चोट है।

प्रचार का उद्देश्य किसी विचार, व्यक्ति या व्यवस्था के पक्ष में जगमत बनाना होता है। पत्रकारिता का उद्देश्य उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जनता को जानकारी देना और आवश्यक सवाल उठाना है। दोनों के बीच अंतर हमेशा शब्दों से नहीं, बल्कि काम करने की पद्धति से दिखाई देता है। पत्रकारिता में स्रोतों की जांच, दावों का सत्यापन, संदर्भ की पड़ताल और संबंधित पक्षों को अपना पक्ष रखने का अवसर देना महत्वपूर्ण है। इसके विपरीत, जब निष्कर्ष पहले तय हो और तथ्य केवल उसे सही साबित करने के लिए चुने जाएं, तो पत्रकारिता की विश्वसनीयता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

एक पत्रकार से गलती हो सकती है। कोई तथ्य गलत रिपोर्ट हो सकता है या किसी खबर में संदर्भ छूट सकता है। लेकिन विश्वसनीय पत्रकारिता की पहचान यह है कि गलती सामने आने पर उसे सुधारा जाए, स्रोतों की दोहरा जांच की जाए और अपनी रिपोर्टिंग पर लगातार आत्ममंथन किया जाए। निष्पक्षता का अर्थ यह भी नहीं कि हर मुद्दे पर दोनों पक्षों को बराबर सही बताया जाए। यदि किसी दावे के समर्थन में मजबूत तथ्य हैं और दूसरे दावे के समर्थन में नहीं, तो पत्रकार का दायित्व तथ्यों को उसी अनुपात में सामने रखना है। संतुलन का अर्थ झूठ और सच को बराबर वजन देना नहीं हो सकता।

इसी तरह सत्ता से सवाल करना सत्ता-विरोधी होना नहीं है। लोकतंत्र में प्रश्न पूछना विरोध नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जवाबदेही की प्रक्रिया है। जो सरकार जनता के नाम पर निर्णय लेती है, उससे जनता के सवाल पूछे जाना स्वाभाविक है। दुर्भाग्य से आज कई बार पत्रकार की पहचान उसके सवालों से कम और उसके राजनीतिक झुकाव की धारणा से अधिक की जाती है। पत्रकार ने सरकार से सवाल पूछा तो उसे विरोधी खेमे का बताया जाता है। उसने सरकार के किसी निर्णय के पक्ष में तथ्य रखे तो उसे समर्थक कह दिया जाता है। इस तरह पत्रकार के प्रश्न पर चर्चा कम और उसकी कथित निष्ठा पर चर्चा अधिक होने लगती है।

यह स्थिति पत्रकारिता के लिए ही नहीं, लोकतंत्र के लिए भी चुनौती है। एक स्वस्थ मीडिया व्यवस्था में सरकार की आलोचना भी होनी चाहिए और उसके अच्छे कामों की तथ्यात्मक रिपोर्टिंग भी। विपक्षों की कमियों पर भी सवाल होने चाहिए और उसके वैध सवाल को भी जगह मिलनी चाहिए।

आज पत्रकारिता के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल राजनीतिक दबाव नहीं है। एक दूसरी चुनौती भी उतनी ही गंभीर

भागवत ने भाग लिया, उसमें एक पांच-सूत्रीय कार्ययोजना एवं प्रस्ताव पर भी सहमति बनी। इस प्रस्ताव में घृणा, हिंसा या अमानवीयकरण को जायज ठहराने के लिए पंथ के इस्तेमाल जैसी अवधारणाओं का पुरजोर विरोध किया गया। यह रहस्य भारत के न्यूयार्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन और अन्य आयोजनों में सरसंघचालक द्वारा बहुलतावाद और विविधता की महता का बखान सुनकर संघ के विरोधी यकीनन अवाक रह गए होंगे। जब संघ जब अपनी स्थापना के सौ वर्ष पूरे कर रहा है, तब कट्टरपंथियों और छद्म-पंथानिरपेक्षतावादियों के विषले नैरेटिव को लपक कर आगे बढ़ने वाले संघ विरोधियों को यह सुनकर तगड़ा झटका लगा होगा कि भागवत समानता, बंधुत्व और बहुलता को लोकतांत्रिक जीवन का मूल आधार बता रहे हैं।इससे भी अधिक उल्लेखनीय उनका विविधता को हिंदू चिंतन का आत्मा बताना और यह रेखांकित करना रहा कि भारत में एक उदार लोकतंत्र के सभी गुण इसीलिए समाहित हैं, क्योंकि ये मूल्य उसकी सभ्यतागत जड़ों से ही उजेे हैं।

इस दौरान उनका यह बयान बहुत चर्चित रहा कि भारत में कोई मुस्लिम नहीं होना चाहिए, ऐसा सोचने वाला सच्चा हिंदू नहीं हो सकता। ‘सच्चे हिंदू’ की उनको यह परिभाषा समूचे संघ परिवार के लिए समग्रता से परिपूर्ण सतर्कता संदेश की भांति होनी चाहिए। विशेष रूप से कुछ अनुपंगी संगठनों और अन्य अनेक कट्टरपंथियों के लिए उलझनी भी, जो अक्सर मुस्लिम और ईसाई अल्पसंख्यकों के साथ तनावग्रस्त टकराव बढ़ाते रहते हैं।

यह बयान भाजपा जैसे राजनीतिक संगठन के लिए भी एक परोक्ष संदेश और विवेकसम्पत सलाह कही जा सकती है, क्योंकि केंद्र और कई राज्यों की सत्ता पर काबिज होने के बावजूद उसके कई नेता अन्य मतवाल्बिंधियों के विरुद्ध अप्रिय टिप्पणियां करने से बाज नहीं आते। भागवत की टिप्पणी वस्तुतः शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की हिमायत करने वाली है। यदि उनके इस विचार को आत्मसात कर मूर्त रूप दिया गया तो इससे सामाजिक समरसता का भाव बहुत सशक्त होगा।

न्यूयार्क में आयोजित खस अंतरराष्ट्रीय धार्मिक सम्मेलन में भागवत ने भाग लिया, उसमें एक पांच-सूत्रीय कार्ययोजना एवं प्रस्ताव पर भी सहमति बनी। इस प्रस्ताव में घृणा, हिंसा या अमानवीयकरण को जायज ठहराने के लिए पंथ के इस्तेमाल जैसी अवधारणाओं का पुरजोर विरोध किया गया। यह रहस्य भारत के न्यूयार्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन और अन्य आयोजनों में सरसंघचालक द्वारा बहुलतावाद और विविधता की महता का बखान सुनकर संघ के विरोधी यकीनन अवाक रह गए होंगे। जब संघ जब अपनी स्थापना के सौ वर्ष पूरे कर रहा है, तब कट्टरपंथियों और छद्म-पंथानिरपेक्षतावादियों के विषले नैरेटिव को लपक कर आगे बढ़ने वाले संघ विरोधियों को यह सुनकर तगड़ा झटका लगा होगा कि भागवत समानता, बंधुत्व और बहुलता को लोकतांत्रिक जीवन का मूल आधार बता रहे हैं।इससे भी अधिक उल्लेखनीय उनका विविधता को हिंदू चिंतन का आत्मा बताना और यह रेखांकित करना रहा कि भारत में एक उदार लोकतंत्र के सभी गुण इसीलिए समाहित हैं, क्योंकि ये मूल्य उसकी सभ्यतागत जड़ों से ही उजेे हैं।

इस दौरान उनका यह बयान बहुत चर्चित रहा कि भारत में कोई मुस्लिम नहीं होना चाहिए, ऐसा सोचने वाला सच्चा हिंदू नहीं हो सकता। ‘सच्चे हिंदू’ की उनको यह परिभाषा समूचे संघ परिवार के लिए समग्रता से परिपूर्ण सतर्कता संदेश की भांति होनी चाहिए। विशेष रूप से कुछ अनुपंगी संगठनों और अन्य अनेक कट्टरपंथियों के लिए उलझनी भी, जो अक्सर मुस्लिम और ईसाई अल्पसंख्यकों के साथ तनावग्रस्त टकराव बढ़ाते रहते हैं।

यह बयान भाजपा जैसे राजनीतिक संगठन के लिए भी एक परोक्ष संदेश और विवेकसम्पत सलाह कही जा सकती है, क्योंकि केंद्र और कई राज्यों की सत्ता पर काबिज होने के बावजूद उसके कई नेता अन्य मतवाल्बिंधियों के विरुद्ध अप्रिय टिप्पणियां करने से बाज नहीं आते। भागवत की टिप्पणी वस्तुतः शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की हिमायत करने वाली है। यदि उनके इस विचार को आत्मसात कर मूर्त रूप दिया गया

किसानों की समस्याओं को लेकर राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ ने ट्रैक्टर के साथ रैली निकालकर सौपा जापन

सी2+50 के आधार पर लाभकारी मूल्य, कर्जमाफी, फसल बीमा और देवास को सुखाग्रस्त घोषित करने की मांग

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के किसानों की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं के तत्काल निराकरण की मांग को लेकर राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ, मालवा-निमाड़ प्रांत द्वारा बुधवार को एबी रोड से ट्रैक्टर से व पैदल हाथों में झंडा लेकर रैली निकालते हुए नारेबाजी करते हुए कलेक्टर कार्यालय में मुख्यमंत्री के नाम जापन सौपा। जिलाध्यक्ष ठाकुर गगन सिंह पटेल के नेतृत्व में सौंप गए जापन में किसानों की विभिन्न समस्याओं का निराकरण करने की मांग की गई।

जापन में संगठन ने कहा कि प्रदेश का किसान लंबे समय से अनेक समस्याओं से जूझ रहा है। संगठन द्वारा समय-समय पर धरना, प्रदर्शन, वाहन रैली और जापन के माध्यम से शासन-प्रशासन को समस्याओं से अवगत कराया जा रहा है, लेकिन समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं होने से किसानों में नाराजगी है। महासंघ ने सभी कृषि उपज का लागत के आधार पर

सर्पदंश से जन सामान्य के बचाव के लिए एडवाइजरी जारी, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण भोपाल द्वारा बचाव, उपचार, एवं जागरूकता के लिए जारी किए गए उपाय

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बरसात के मौसम में सांपों के प्राकृतिक निवास में पानी भर जाने के कारण सर्पदंश की घटनाओं में वृद्धि होने को दृष्टिगत रखते हुए मध्य प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण मध्य प्रदेश शासन द्वारा सर्पदंश की घटनाओं से जनहानि के नियंत्रण और बचाव के लिए सुझाव जारी किए गए हैं। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण गृह विभाग मध्य प्रदेश शासन द्वारा सर्पदंश की घटनाओं की रोकथाम के लिए आवश्यक कार्रवाई संपादित किए जाने के संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं जिसमें सर्पदंश से बचाव के लिए व्यापक जागरूकता, सर्प से बचाव, प्राथमिक उपचार, साफ सफाई, प्रशिक्षित सर्प मित्रों की वाई एवं ग्रामीण स्तरों में तैनाती आदि सम्मिलित है।

मप्र आपदा प्रबंधन प्राधिकरण गृह विभाग द्वारा जिले में पंचायत एवं शहरी वार्ड स्तर पर विभिन्न माध्यम से जन जागृति तथा प्रशिक्षण उपलब्ध किए जाने के लिए निर्देशित किया गया है। उक्त कार्य के लिए स्थानीय गैर सरकारी संगठनों सामुदायिक समूह और समाजसेवी समूहों की भी सहयता ली जा सकती है। जारी दिशा निर्देशानुसार जिला प्रशासन को निर्देशित किया गया है कि स्कूल एवं कॉलेज में सर्पदंश के खतरों एवं प्राथमिक चिकित्सा के बारे में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं साथ ही सिविल डिफेंस आपदा मित्र वालंटियर के लिए सांपों के विभिन्न प्रजातियों की पहचान तथा सर्पदंश के प्राथमिक उपचार एवं प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यशाला भी आयोजित किया जाए। जिले में प्रशिक्षित स्केक कैचर्स सर्प मित्रों की पंचायत एवं वार्ड स्तर पर तैनाती की जाए साथ ही उनके हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया जाना सुनिश्चित करें। साथी उन्हें स्केक रेस्क्यू कट फर्स्ट एड किट उपलब्ध किए जाने की व्यवस्था भी की जाए जिससे सर प्रेस क्यों के दौरान इस किट का उपयोग सुनिश्चित रेस्क्यू कार्य के लिए किया जा सके। इसी प्रकार समस्त शासकीय

डिजिटल युग में तकनीक के साथ जीवन-कौशल भी जरूरी



शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सिंगोली में उमंग दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य, सकारात्मक जीवन-कौशल और सायबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पुलिस विभाग की आरक्षक नंदनी जाटव एवं विद्यालय स्टाफ द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। उमंग एवं उज्ज्वल प्रभारी मैना धाकड़ ने अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया।

सायबर ठगी और सोशल मीडिया के खतरों से किया आगाहमुख्य अतिथि आरक्षक नंदनी जाटव ने वर्तमान समय में तेजी से बढ़ रहे सायबर अपराधों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने छात्र-छात्राओं को सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, पासवर्ड की गोपनीयता और ऑनलाइन फॉड से बचने के व्यावहारिक तरीके सिखाए। उन्होंने प्रेरित करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार के सायबर खतरे का अहसास होने पर डरे नहीं, बल्कि तुरंत अपने माता-पिता या पुलिस को सूचित करें।

खेल-खेल में सीखें जीवन की बारीकियां उमंग हेल्थ एंड वेलनेस की प्रभारी हर्षिता पुरोहित ने बताया कि इस आयोजन का मूल उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास और स्वस्थ जीवनशैली का विकास करना है। इस दौरान शिक्षक मोहनलाल यादव, हितेश लक्षकार और आरती शर्मा ने विद्यार्थियों को प्रभावी संवाद सही समय पर सही निर्णय लेना और तनाव प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन दिया।विद्यार्थियों को व्यावहारिक रूप से समझाने के लिए कानाफूसी खेल, कहानी-वाचन और रोल-प्ले (नाटक) जैसी रोचक गतिविधियां आयोजित की गईं। इनके माध्यम से बच्चों को टीम वर्क और समस्याओं के सकारात्मक समाधान खोजने की सीख दी गई।उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र हुए पुरस्कृतविभिन्न प्रतियोगिताओं और गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने वाले तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मंच पर पुरस्कृत कर उनका हौसला बढ़ाया गया।

इन्होंने संभाली जिम्मेदारी- इस भव्य कार्यक्रम की संपूर्ण रूपरेखा आरती शर्मा द्वारा तैयार की गई थी।

मंच का सफल संचालन उमेश कुमार धोबी और देवेन्द्र कुमार ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम के अंत में शंकरलाल जाट ने मुख्य अतिथि एवं आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। उमंग एंथम की गूंज के साथ इस सफल आयोजन का समापन हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के पूरे स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

Website:- www.malwaherald.com

दैनिक

मालवा हेराल्ड

उज्जैन, गुरुवार 24 सितम्बर 2026

पेज नं. 5

गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित विसर्जन स्थलों पर ही करें- कलेक्टर

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर सुश्री ऋतु बाफना ने शाजापुर जिले के सभी नागरिकों से अनुरोध किया हैं कि गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित विसर्जन स्थलों पर ही करें। इन स्थलों पर जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के साथ आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। कलेक्टर सुश्री बाफना ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि विसर्जन के दौरान सावधानी एवं सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें, निर्धारित स्थल पर मौजूद प्रशासन एवं पुलिस के निर्देशों का पालन करें तथा किसी भी प्रकार की असुविधा या दुर्घटना से बचने के लिए गहरे पानी में जाने से बचें।

गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन स्थल- कलेक्टर सुश्री ऋतु बाफना के निर्देश पर शाजापुर जिले में गणपति प्रतिमाओं के लिए विसर्जन स्थलों का निर्धारण किया गया हैं। जिसके अनुसार शाजापुर अनुभाग अंतर्गत थाना लालघाटी शाजापुर के क्षेत्र अंतर्गत जादमी भदोनी लखुंदर नदी, लौंदिया नाला ग्राम लौंदिया, भेरू डूंगरी एवं राववेल जोड़ दुपाड़ा रोड लखुंदर नदी स्थल तथा थाना कोतवाली शाजापुर के क्षेत्र अंतर्गत तालाब डेरा निगरीय स्थलों का निर्धारण किया गया हैं।

इसी तरह अनुविभाग शुजालपुर क्षेत्र अंतर्गत नगरीय क्षेत्र शुजालपुर में नेवज नदी राणागंज, श्री जटाशंकर महादेव मंदिरघाट, छोटा पुल शुजालपुर सिटी, उपजेल के पीछे शुजालपुर सिटी स्थल निर्धारित किये गये हैं। इसी प्रकार नगरीय क्षेत्र कालापीपल में पानखेडी तालाबकालापीपल मंडी, नगरीय क्षेत्र अकोदिया में अजवाई टोल के समीपशुजालपुर रोड एवं अकोदिया तालाब तथा नगरीय क्षेत्र पोलायकलां में मंडी समिति के सामने पोलायकला का निर्धारण किया गया हैं।

इसी तरह अनुविभाग गुलाना क्षेत्र अंतर्गत सकतखेडी कालीसिंह नदी का पुल, देवला बिहार कालीसिंह नदी का पुल एवं बोलाई का बड़ा तालाब स्थलों का निर्धारण किया गया हैं।

जाट क्षेत्र में चोर-उठाईगीरों का खुला तांडव: पुलिस की सुस्ती से सहमे लोग, आए दिन हो रहीं चोरी और लूट की वारदातें

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चित्तौड़गढ़-नीमच सीमा पर स्थित जाट क्षेत्र और इसके आसपास के ग्रामीण इलाकों में इन दिनों कानून-व्यवस्था पूरी तरह पटरी से उतर चुकी है। क्षेत्र में चोरों, उठाईगीरों और शांतिर बदमाशों का आतंक इस कदर बढ़ गया है कि अब आम नागरिक और व्यापारी अपने ही घरों-दुकानों में सुरक्षित रहसूस नहीं कर रहे हैं। पुलिस की सुस्त कार्यप्रणाली और लचर गश्त के चलते अपराधियों के हौसले आसमान छू रहे हैं। बदमाश अब रात के अंधेरे में ही नहीं, बल्कि सुबह-सवेरे के उजाले में भी बेखोफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।सीसीटीवी में कैद हुईं कारतूत, बेगू की तरफ भागे शांतिर ताजा सनसनीखेज मामला जाट बस स्टैंड स्थित एक मोटर रिकॉर्डिंग की दुकान का है। यहां सुबह-सवेरे जब चारों तरफ चहल-पहल शुरू हो रही थी, तभी अज्ञात बदमाशों ने दुकान के बाहर बने जालीनुमा बाड़े को निशाना बनाया और वहां रखा कीमती सामान उड़ा ले गए। चोरों की यह पूरी कारतूत दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फुटेज खंगालने पर सामने आया कि इस वारदात के पीछे एक अज्ञात महिला और उसका पुरुष साथी शामिल हैं। वारदात को अंजाम देकर दोनों शांतिर सुबह करीब 6 से 7 बजे के बीच बेगू क्षेत्र के अनौपरा में एक चाय की दुकान के पास देखे गए, जिसके बाद उनके बेगू की तरफ फरार होने की पुष्टि हुई है। पीड़ित दुकानदार ने जाट पुलिस चौकी में लिखित आवेदन देकर कड़ी कार्रवाई और माल बरामदगी की गुहार लगाई है।पुरानी फाइलों पर धूल, आखिर कब तक खाली रहेंगे पुलिस के दाय? क्षेत्रवासियों का कहना है कि यह कोई इकलौती घटना नहीं है, बल्कि पुलिस की निष्क्रियता का नतीजा है। इससे पहले भी लुहारिया-जाट क्षेत्र में राहगीरों और ग्रामीणों को रोककर उनके सच बेहमी से मारपीट करने और लुटपाट जैसी गंभीर वारदातें सामने आ चुकी हैं। लेकिन पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज इन पुरानी और संवेदनशील घटनाओं का आज तक कोई सुरुग नहीं लग पाया है। पुलिस की फाइलों पर धूल जम रही है और अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं, जिससे साफ है कि अपराधियों के दिलो-दिमाग से खाकी का खौफ पूरी तरह खतम हो चुका है।

जनता का सब्र टूटा, आंदोलन की चेतावनी- लगातार हो रही इन वारदातों से त्रस्त होकर अब स्थानीय ग्रामीणों और व्यापारियों का सब्र पूरी तरह जवाब दे चुका है। लोगों का आरोप है कि पुलिस की नाइट प्रेटोлинг और गश्त सिर्फ कागज़ों तक ही सीमित है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए चेतावनी दी है कि यदि तुरंत ही प्रभावी सुरक्षा इंजागन नहीं किए गए और रात्रि व सुबह की गश्त को सख्त नहीं किया गया, तो बदमाश किसी और बड़ी अनहोनी को अंजाम दे देंगे। व्यापारियों ने साफ कहा है कि अगर सीसीटीवी फुटेज में चेहरे सामने आने के बाद भी जाट चौकी पुलिस ने जल्द बदमाशों को नहीं दबोचा, तो वे उा आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन के लिये 13 हजार से अधिक किसानों ने कराया पंजीयन

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन के लिये पंजीयन प्रक्रिया जारी है। अभी तक 13 हजार 508 किसानों ने पंजीयन कराया है। किसान 10 अक्टूबर तक पंजीयन करा सकते हैं। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने किसानों से आग्रह किया है कि निर्धारित समय में पंजीयन करा लें, जिससे किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो। उन्होंने बताया है कि किसान पंजीयन की व्यवस्था को सहज और सुगम बनाया गया है। प्रदेश में 1100 से अधिक पंजीयन केन्द्र बनाये गये हैं।

पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था- पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत एवं तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर और सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र पर की गई है।

पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था- पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था एम.पी. ऑनलाईन क्रियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर क्रियोस्क, लोक सेवा केन्द्र और निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर की गई है। प्रति पंजीयन के लिये 50 रुपये से अधिक शुल्क नहीं लिया जाएगा। किसान पंजीयन के लिए भूमि संबंधी दस्तावेज़ एवं किसान के आधार कार्ड एवं अन्य फोटो पहचान पत्रों का समुचित परीक्षण कर उनका रिकार्ड रखा जाना अनिवार्य होगा।

सिकमी/बटाईदार/कोटवार एवं वन पट्टाधारी किसान के पंजीयन की सुविधा केवल सहकारी समिति एवं सहकारी विपणन सहकारी संस्था ?द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्रों पर उपलब्ध होगी। इस श्रेणी के शत-प्रतिशत किसानों का सत्यापन राजस्व विभाग द्वारा किया जाएगा।

उपार्जित फसल के भुगतान के लिये बैंक खाता- किसान द्वारा समर्थन मूल्य पर विक्रय उपज का भुगतान

प्राथमिकता के आधार पर किसान के आधार लिंक बैंक खाते में किया जाएगा। किसान के आधार लिंक बैंक खाते में भुगतान करने में किसी कारण से समस्या उत्पन्न होने पर किसान ?द्वारा पंजीयन में उपलब्ध कराये गए बैंक खाते में भुगतान किया जा सकेगा। किसान पंजीयन के समय किसान को बैंक खाता नंबर और ट्वुब्लस्ट्र कोड की जानकारी उपलब्ध करानी होगी। अक्रियाशील बैंक खाते, संयुक्त बैंक खाते एवं फिनो, थपरटेल, पेटिएम, बैंक खाते पंजीयन में मान्य नहीं होंगे। पंजीयन व्यवस्था में बेहतर सेवा प्राप्त करने के लिए यह जरूरी होगा कि किसान अपने आधार नंबर से बैंक खाता और मोबाईल नंबर को लिंक कराकर उसे अपडेट रखें।

सभी जिला कलेक्टर को निर्देशित किया गया है कि जिला और तहसील स्तर पर स्थापित आधार पंजीयन केन्द्रों को क्रियाशील रखा जाए जिससे किसान वहां जाकर आसानी से अपना मोबाईल नंबर एवं बायोमेट्रिक

अपडेट करा सके। इस कार्य के लिए पोस्ट ऑफिस में संचालित आधार सुविधा केन्द्र का भी उपयोग किया जा सकता है। आधार नंबर से बैंक खाता लिंक कराने के लिए बैंकों के साथ भी समन्वय आवश्यक होगा। किसान के आधार लिंक बैंक खाते के सत्यापन के लिये पंजीयन के दौरान ही एक रूपये का ट्रांजेक्शन मध्यप्रदेश राज्य आपूर्ति निगम द्वारा ई-उपार्जन/जेआईटी पोर्टल के माध्यम से कराया जाएगा।

आधार नंबर का वेरिफिकेशन- पंजीयन कराने और फसल बेचने के लिए आधार नंबर का वेरिफिकेशन कराना अनिवार्य होगा। वेरीफिकेशन आधार नंबर से लिंक मोबाईल नंबर पर प्राप्त ओटीपी से या बायोमेट्रिक डिवाईस से किया जा सकेगा। किसान का पंजीयन केवल उही स्थिति में हो सकेगा जबकि किसान के भू-अधिकृत के खाते एवं खसरे में दर्ज नाम का मिलान आधार कार्ड में दर्ज नाम से होगा।

पक्के आवास ने सुनिल निनामा के परिवार को दी सुरक्षा और सुकून, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण से साकार हुआ पक्के घर का सपना

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड।

सिर पर पक्की छत हो और परिवार सुरक्षित घर में रहे-यह सपना ग्राम डूंगराधन्ना के श्री सुनिल निनामा के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण से साकार हुआ है। कभी कच्ची दीवारों और केवलू की छत वाले मकान में जहरीले जीव-जंतुओं के भय के बीच रहने वाला उनका परिवार आज पक्के आवास में सुरक्षित और सुविधाजनक जीवन जी रहा है। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत सामने आई बदलाव की यह कहानी बताती है कि पक्के आवास ने श्री सुनिल के परिवार को केवल छत ही नहीं, बल्कि सुरक्षा, सुविधा और बच्चों की बेहतर शिक्षा के लिए अनुकूल वातावरण भी प्रदान किया है।

जनपद पंचायत झाबुआ की ग्राम पंचायत मोहनपुरा के ग्राम डूंगराधन्ना निवासी श्री सुनिल निनामा पिता श्री वीरसिंह निनामा

को आधार बनाने की मांग भी रखी गई। इसके अलावा दूध का भाव 12 रुपए प्रति फैट किए जाने की मांग की गई।

महासंघ ने भावांतर योजना तत्काल बंद करने, किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने तथा सभी मंडियों में मंडी एक्ट 1972 का पालन सुनिश्चित करने की मांग की। किसानों की उपज समर्थन मूल्य पर खरीदे जाने की मांग भी की गई। जापन में इंदिरा सागर, ओंकारेश्वर एवं सरदार सरोवर बांध परियोजनाओं से प्रभावित

किसानों के मुआवजे में कथित अंतर का मुद्दा उठाते हुए समान परियोजनाओं में प्रभावित किसानों को समान मुआवजा देने की मांग की गई। साथ ही रासायनिक खाद की ई-टोकन व्यवस्था बंद कर किसानों को आवश्यकता के अनुसार खाद उपलब्ध कराने की मांग की गई। किसानों को सिंचाई के लिए दिन में 12 घंटे सतत विद्युत आपूर्ति

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न



शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला सड़क सुरक्षा समिति अध्यक्ष सुश्री ऋतु बाफना की अध्यक्षता में आज जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर सुश्री बाफना ने जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, सड़क सुरक्षा उपायों को अधिक प्रभावी बनाने तथा यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा कर संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने शुजालपुर आरओबी निर्माण कार्य के लिए व्यवस्थित डायवर्जन प्लान तैयार करने तथा सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर उपयुक्त स्थान चिन्हित कर होलिंग एरिया विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम अंतर्गत सलसलाईङ्गुलाना मार्ग तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत गुलानाडूधतुरिया एवं सलसलाईङ्गुबुरलाय मार्गों पर स्थित रपटों को स्लैब संरचना में परिवर्तित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय राजमार्गों पर निराश्रित पशुओं की रोकथाम के लिए कैटल कैचर वाहन तैनात करने तथा पेट्रोलिंग वाहनों के माध्यम से नियमित निगरानी सुनिश्चित

करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने समस्त नगरीय क्षेत्रों, बड़ी ग्राम पंचायतों के बाजारों, शासन संधारित मंदिरों, मस्जिदों एवं चिन्हित सार्वजनिक स्थलों पर नगर पालिका, नगर परिषद एवं ग्राम पंचायतों के माध्यम से स्थापित सीसीटीवी कैमरों की ग्राम एवं नगरीय निकायवार जानकारी एकत्रित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिये कि उक्त जानकारी मुख्य

कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारियों के माध्यम से संकलित कर पुलिस विभाग से साझा की जाएगी, जिससे यातायात प्रबंधन एवं कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने शहरी क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था को सुचारु एवं सुरक्षित बनाए रखने के लिए अवैध अतिक्रमण एवं अव्यवस्थित पार्किंग के विरुद्ध प्रभावी अभियान चलाने के निर्देश दिए। साथ ही समस्त सड़क निर्माण एजेंसियों को वर्षा ऋतु के उपरांत मार्ग संधारण के अंतर्गत पॉटहोल मरम्मत, जंक्ल सफाई तथा पुल-पुलियों की रंगाई-पुताई सहित आवश्यक संधारण कार्य अक्टूबर माह तक पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने एनएचएआई को राष्ट्रीय राजमार्ग-52 के सनकोटा एवं कानसिया जोड़ पर निर्माणधीन व्हीकलर अंडरपास के धीमी गति से चल रहे निर्माण कार्य में तेजी लाते हुए इसे शीघ्र पूर्ण कराने तथा एनएच पी.डब्ल्यू.डी., भोगल द्वारा निर्माणधीन शुजालपुर बायपास मार्ग पर शेष आरओबी निर्माण कार्य पूर्ण होने तक पर्याप्त बैरिकेडिंग कर आमजन का अनधिकृत प्रवेश प्रतिबंधित रखने के निर्देश दिए, ताकि रात्रिकालीन असामाजिक गतिविधियों एवं संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम सुनिश्चित की जा सके।

सामाजिक जीवन में भी आया सकारात्मक बदलाव- श्री सुनिल बताते हैं कि पहले कच्चा आवास होने के कारण रिश्तेदारों एवं परिचितों के आने पर कई प्रकार की असुविधाएं होती थीं। अब पक्का मकान बनने के बाद परिवार के रहन-सहन में बदलाव आया है। सुरक्षित एवं व्यवस्थित आवास मिलने से परिवार के सामाजिक जीवन में भी सकारात्मक परिवर्तन आया है। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण से मिला पक्का आवास श्री सुनिल निनामा और उनके परिवार के लिए केवल एक मकान नहीं, बल्कि वर्षों की चिंता से राहत और बेहतर भविष्य की मजबूत बुनियाद बना है। आज उनका परिवार अपने पक्के घर में सुरक्षा और सुकून के साथ जीवनयापन कर रहा है। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत श्री सुनिल निनामा की यह कहानी शासन की जनकल्याणकारी योजना से परिवार के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव को दर्शाती है।

अधिक सुविधाजनक बनाया है।

पत्रकार कक्ष की मांग को लेकर नागदा जर्नालिस्ट क्लब ने नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि को सौंपा मांग पत्र

पत्रकारों के बैठने, विचार-विमर्श एवं समाचार संकलन के लिए कक्ष उपलब्ध कराने का आग्रह

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में कार्यरत पत्रकारों की सुविधा एवं आपसी विचार-विमर्श के लिए नगर पालिका परिसर में पत्रकार कक्ष उपलब्ध कराने की मांग को लेकर नागदा जर्नालिस्ट क्लब की ओर से नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि ओ.पी. गेहलोत को मांग पत्र सौंपा गया।

मांग पत्र में बताया गया कि नागदा नगर में कार्यरत पत्रकार जनसमस्याओं, विकास कार्यों, सामाजिक



गतिविधियों एवं जनहित से जुड़े विषयों को सुविधा होगी।

समाचारों के माध्यम से जनता और प्रशासन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पत्रकारों के लिए नगर पालिका परिसर में बैठने, समाचार संकलन, आपसी विचार-विमर्श तथा आवश्यक संवाद के लिए एक स्थान उपलब्ध होने से कार्य

क्लब की ओर से आग्रह किया गया कि यदि नगर पालिका परिसर में पृथक कक्ष उपलब्ध कराना संभव हो तो किसी उपयुक्त स्थान का निर्धारण कर पत्रकारों के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाओं के साथ पत्रकार कक्ष उपलब्ध कराया जाए। इससे नगर पालिका में आने वाले पत्रकारों को समाचार संकलन एवं आवश्यक जानकारी प्राप्त करने में सुविधा मिलेगी तथा नगर पालिका एवं मीडिया के बीच संवाद और समन्वय भी अधिक सुगम हो सकेगा। क्लब पदाधिकारियों ने कहा कि पत्रकार कक्ष की मांग किसी व्यक्तिगत सुविधा के

लिए नहीं, बल्कि नागदा के पत्रकार साथियों के सामूहिक हित तथा जनहित से जुड़े विषयों पर बेहतर संवाद की दृष्टि से की गई है। उन्होंने नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि से मांग पर सकारात्मक विचार करते हुए आवश्यक पहल करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर नागदा जर्नालिस्ट क्लब के संस्थापक अध्यक्ष एवं संचालक राजेश सकलेचा 'भाईजी', अध्यक्ष दीपक जैन एवं सचिव दिनेश सोलंकी, पुर्व अध्यक्ष मांगीलाल पोरवाल, चैनसिंग रंधुवशी, गगन बोहरा, जीवनलाल जैन सहित क्लब के पत्रकार सदस्य उपस्थित रहे।

वार्ड क्रमांक 4 में विकास कार्यों का भूमिपूजन, फिश मार्केट व नाली निर्माण से मिलेगी सुविधा



देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद देपालपुर के वार्ड क्रमांक 4 में विकास कार्यों को गति देते हुए फिश मार्केट एवं नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। लंबे समय से चली आ रही स्थानीय

रहवासियों की मांग के पूरा होने से क्षेत्रवासियों में उत्साह का माहौल है। वार्ड पार्श्व अनिल धाकड़ के नेतृत्व में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष महेशपुरी गोस्वामी, उपाध्यक्ष गोपाल कटेशरिया, विमल यादव, रवि चौरसिया, करामत खान, जितेंद्र ठाकुर, मोहसिन नागर, रामकरण, सतीश मारू, रामेश्वर तौसीफ खान सहित जनप्रतिनिधि, नगर परिषद अधिकारी-कर्मचारी, ठेकेदार एवं बड़ी संख्या में वार्डवासी मौजूद रहे।

इस दौरान पार्श्व अनिल धाकड़ ने कहा कि वार्ड में मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। फिश मार्केट निर्माण से व्यवस्थित व्यापारिक व्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा, वहीं नाली निर्माण से जल निकासी की समस्या का समाधान होने की उम्मीद है।

भूमिपूजन के साथ ही वार्ड में विकास कार्यों को नई गति मिलने की बात कही गई। स्थानीय नागरिकों ने विकास कार्य शुरू होने पर जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

सामाजिक सेवाओं के लिए समाज सेवी डॉक्टर गहलोत का गणेश भक्त मंडल ने किया सम्मान



अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया नगर में सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों के माध्यम से अपनी पहचान बना चुके श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट जिला अध्यक्ष समाजसेवी डॉ सुशील कुमार गहलोत का उनकी सामाजिक धार्मिक कार्यों में निरंतर सक्रियता एवं महत्वपूर्ण योगदान के लिए श्री गणेश भक्त मंडल लाल बाग के राजा झंडा चौक द्वारा मंडल के प्रमुख अशोक राठौर उदित शर्मा नवीन

राठौर ओम राठौर के द्वारा दुपट्टा पहना कर सम्मान किया गया डॉक्टर गहलोत वर्तमान में श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट के जिला अध्यक्ष पद पर रहते हुए नगर में निकलने वाली धार्मिक शोभायात्राओं का स्वागत करते हैं साथ ही नगर में होने वाले धार्मिक आयोजनों में भी आपका विशेष योगदान रहता है मंडल के सदस्यों ने डॉक्टर सुशील कुमार गहलोत के द्वारा किए जा रहे हैं सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों को सराहनीय पहल बताते हुए इसी तरह निरंतर धार्मिक क्षेत्र में सक्रिय रहने के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की इस अवसर पर श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट प्रदेश अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल गोलू गुप्ता सहित मंडल के सदस्य गण उपस्थित रहे।

गौलाना महाविद्यालय में हुआ सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन



अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गुलाना भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय महाविद्यालय, गौलाना मे सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन हुआ छ प्रतियोगिता के प्रभारी डॉ.

आलोक परमार द्वारा विभिन्न विषयों से संबंधित प्रश्न किये गये जिसमे निर्णायक की भूमिका श्री कुलदीप कौशिक, श्री जीवनलाल शर्मा, डॉ.सुरज जाट ने निभाई प्रतियोगिता में प्रथम रोशन सौराष्ट्रीय बौद्धसंसी सेकंड ईयर, द्वितीय आयुषी पुष्पद बीए फर्सट ईयर एवं तृतीय मन्शु जादौन बीए तृतीय वर्ष रही कार्यक्रम के दौरान समस्त स्टाफ के साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भाद्रपद द्वादशी पर धूमधाम से मनी मां भुवनेश्वरी जयंती, उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब



उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दस महाविद्याओं में चतुर्थ मां भगवती भुवनेश्वरी की जयंती भाद्रपद द्वादशी के पावन अवसर पर श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। मान्यता है कि आज ही के दिन मां भुवनेश्वरी ने अपना मूल स्वरूप धारण किया

56 भोग अर्पित कर महाआरती की गई। संध्या में भव्य भजन संध्या और भंडारा प्रसादी का आयोजन हुआ। इस पावन अवसर पर समस्त ग्रामवासियों और क्षेत्रवासियों ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया और मां भगवती से जनकल्याण की कामना को लेकर प्रार्थना की।

सिंदूरकीया फंटे पर गूंजा स्वागत, बाइक रैली का जोरदार अभिनंदन

सेवा संकल्प यात्रा के तहत बड़ावदा मंडल पहुंची दोपहिया वाहन रैली, पुष्पवर्षा से किया स्वागत, बॉडिया गोवल में हुआ पौधारोपण



अभिनंदन किया।

रैली के बड़ावदा मंडल में पहुंचने पर कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने स्वागत कर सेवा संकल्प यात्रा के प्रति अपना उत्साह प्रदर्शित किया।

रैली के पश्चात बॉडिया गोवल में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पौधारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और समाज के प्रति सेवा भावना का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष महेंद्र सिंह दादू, विधायक प्रतिनिधि समर्थ पाटीदार, सुरेंद्र कांकाणी, नीतिराज सिंह, एलडरमैन मनोज जोशी, पार्श्व प्रतिनिधि मनोहर राठौड़, ईश्वरलाल सेन, खेमराज गुर्जर, छत्रपाल सिंह, श्याम सिंह डोडिया, चेतन जादव, संतोष मालवीय, रविराज कुमावत, केशव राठौर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ए.आई. और एम.एल. पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

बड़वानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के युवाओं को एआई कौशल और रोजगारोन्मुखी अवसरों से परिचित कराने पर जोर बड़वानी 23 सितम्बर 2026/ श्रीमती जयति सिंह, कलेक्टर, जिला बड़वानी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सलेंस, शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बड़वानी में 24 सितंबर, 2026 को प्रातः 11.30 बजे से आर्टिफिशियल



इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। कार्यशाला का उद्देश्य जिले के युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में विकसित हो रही तकनीकों और आवश्यक कौशल से परिचित कराना तथा उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करना है। वर्तमान समय में

तकनीकी कौशल और रोजगार के बदलते अवसरों को देखते हुए कार्यशाला को युवाओं के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह ने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज तेजी से विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग की जाने वाली तकनीक के रूप में सामने आ रही है। ऐसे समय

में युवाओं को नई तकनीकों की जानकारी और उनसे संबंधित कौशल प्रदान करना आवश्यक है। कार्यशाला के माध्यम से युवाओं को एआई से संबंधित कौशल से परिचित कराने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे वे बदलते रोजगार परिदृश्य के अनुरूप स्वयं को तैयार कर सकें। उन्होंने कहा कि कौशल विकास युवाओं के लिए रोजगारोन्मुखी अवसरों का महत्वपूर्ण आधार है। विशेषज्ञ द्ते प्रशिक्षण एडीएम

श्री रविराज वर्मा ने बताया कि कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में डॉ. उमेश सिंह प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। डॉ. उमेश सिंह पीएच.डी. इन कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग हैं तथा एसजीएसआईटीएस, इंदौर में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं।

एनएस तिलहन योजना के तहत मदाना में लगा दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर

कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को उन्नत खेती एवं आगामी फसलों की दी जानकारी

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम मदाना की छोटी पाथी स्थित हनुमान मंदिर परिसर में कृषि विज्ञान केंद्र शाजापुर द्वारा एनएस तिलहन योजना के अंतर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्राम मदाना सहित आसपास के किसान शामिल हुए।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में कृषि विज्ञान केंद्र के डीके तिवारी, कृषि विज्ञान केंद्र के डॉ. मुकेश, भारतीय किसान संघ के जिला कार्यकारिणी सदस्य भागीरथ सिंह तोमर, मोर सिंह राजपूत एवं शंकर सिंह पटवारी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ की गई।

प्रशिक्षण के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के अधिकारियों ने किसानों को खेती-बाड़ी से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारीयां दीं। आगामी



फसलों की तैयारी, उन्नत कृषि पद्धतियों तथा फसल उत्पादन बढ़ाने के विभिन्न तरीकों पर किसानों से चर्चा की गई।

डॉ. मुकेश ने किसानों को जानकारी देते हुए बताया कि सोयाबीन की फसल खेतों से निकलना शुरू हो गई है। किसान चाहे तो

सितंबर माह में सरसों की बुवाई भी कर सकते हैं। समय पर सरसों की बुवाई करने से बेहतर उत्पादन प्राप्त होने की संभावना रहती है। इस दौरान किसानों ने कृषि संबंधी विभिन्न सवाल भी पूछे, जिनका अधिकारियों द्वारा समाधान बताया गया।

करीब दो घंटे तक चले प्रशिक्षण शिविर में किसान अधिकारियों द्वारा दी जा रही जानकारी को गंभीरता से सुनते और समझते नजर आए। अधिकारियों ने बताया कि यह प्रशिक्षण शिविर का पहला दिन है तथा अगले दिन भी प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें किसानों को खेती से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी जाएगी।

इस अवसर पर भारतीय किसान संघ के पदाधिकारी एवं ग्राम मदाना के उन्नत किसान मौजूद रहे। भारतीय किसान संघ के तहसील उपाध्यक्ष तेज सिंह राजपूत ने ग्राम मदाना के सभी किसान भाइयों से अपील करते हुए कहा कि प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन अधिक से अधिक संख्या में किसान उपस्थित होकर कृषि विशेषज्ञों द्वारा दी जाने वाली उन्नत खेती एवं फसल प्रबंधन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारीयों का लाभ उठाएं।

सांकेतिक भाषा का भारतीय संस्कृति में विशेष स्थान है नगर पालिका अध्यक्ष



बड़वानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत में सांकेतिक भाषा का इतिहास पुरातन होकर दीर्घकाल से प्रगतिशील है एक और हमारे धर्म में मौन व्रत धारण कर सांकेतिक भाषा में विभिन्न कार्यों को इशारों में समझा देना हमारी दिनचर्या का हिस्सा रहा है। वहीं वर्तमान में सांकेतिक भाषा ने आधुनिक विकास की ओर नए-नए सोपान स्थापित किये हैं। रोशमरी के जीवन में विभिन्न संकेतों को हम सहज रूप में प्रकट भी करते हैं तथा यह समावेशी स्वरूप में भी स्थापित है। उक्त बातें श्रीमती अश्विनी निक्कु चौहान नगर पालिका अध्यक्ष बड़वानी ने कुडिया बसावट में आशा ग्राम ट्रस्ट द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय साइज लैंग्वेज डे कार्यक्रम के दौरान कही। सर्व शिक्षा अभियान द्वारा कुडिया बसावट में संचालित विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के सोडल्यूयूएसएन छात्रावास में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग एवं आशाग्राम ट्रस्ट के संयुक्त तत्त्वधान में सांकेतिक भाषा महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दृष्टि बाधित बालिका आंगिता के सरस्वती वंदना की सुमधुर प्रस्तुति के साथ अतिथियों के द्वारा की गई। ट्रस्ट के सचिव डॉ चक्रेश पहाड़िया ने कहा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए विशेष शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

कलेक्टर डॉ.मीना ने सुसनेर में लिया उप निर्वाचन मतदान की तैयारियों का जायजा

कलेक्टर-एसपी ने विभिन्न मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण



सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद सुसनेर के अध्यक्ष पद के उप निर्वाचन के तहत 29 सितम्बर 2026 को होने वाले मतदान सत, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित मतदान की सभी तैयारियां लागभग पूरी कर ली गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. शेर सिंह मीना एवं पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी ने बुधवार को सुसनेर पहुंचकर औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सुसनेर में उप निर्वाचन के लिये की जा रही तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया और ईवीएम मशीन की पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के साथ प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स की देखरेख में ईवीएम मशीनों की तैयारियों का अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक

निर्देश दिए। कलेक्टर-एसपी द्वारा मतदान केन्द्रों का निरीक्षण- कलेक्टर डॉ. मीना एवं एसपी सोनी ने बुधवार को सुसनेर में शासकीय माध्यमिक विद्यालय में स्थित मतदान केन्द्र क्रमांक-11 एवं संतोष कैथोलिक स्कूल में मतदान केन्द्र क्रमांक-7 एवं 8 का निरीक्षण कर सत, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित मतदान व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने मतदान केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी भी ली। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को मतदान केन्द्रों पर मतदान के लिये मतदाताओं के सुगम प्रवेश एवं मतदान पश्चात् निकासी की व्यवस्था मतदान केन्द्रों पर पेयजल एवं प्रकाश की व्यवस्था, मतदान दलों की संख्या, कुल मतदान

केन्द्रों की संख्या, रिजर्व मतदान दल एवं रिजर्व ईवीएम की संख्या, मतदान के दिन सुव्यवस्थित एवं सुचारु मतदान के लिये मास्टर ट्रेनर्स की नियुक्ति आदि की जानकारी भी ली और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस मौके पर एसडीएम एवं रिटर्निंग ऑफिसर श्रीमती देवकुंवर सोलंकी, सहायक संचालक जनसंपर्क जगदीश चन्द्र मालवीय एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर डॉ. मीना और एसपी सोनी ने नलखेड़ा में सरदार वल्लभ भाई पटेल शासकीय महाविद्यालय का निरीक्षण कर, वहां जनपद पंचायत सदय के उप निर्वाचन की तैयारियों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए।

अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस पर विशेष आवश्यकता वाले बच्चों ने सांकेतिक भाषा में दी प्रस्तुति

दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में हुआ विशेष आयोजन, सांकेतिक भाषा के महत्व एवं समावेशी समाज का दिया संदेश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस के अवसर पर स्थानीय दिव्यांग पुनर्वास केंद्र, झाबुआ में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के छात्रावास में अध्ययनरत बालक-बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए सांकेतिक भाषा के माध्यम से विभिन्न प्रस्तुतियां दीं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नाक, कान एवं गला रोग विशेषज्ञ डॉ. पाटीदार तथा पेरेंट्स सोसायटी फॉर पर्सन्स विद डिसेबिलिटी के जिला अध्यक्ष श्री यशवंत भंडारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भगवान गणेश की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया।

कार्यक्रम के दौरान छात्रावास में अध्ययनरत विशेष आवश्यकता वाले बालक-



और अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। बच्चों में श्रवण संबंधी समस्याओं की समय पर पहचान तथा उचित उपचार से बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। समाज में सांकेतिक भाषा के प्रति समझ विकसित करना और इसका सम्मान करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

श्री यशवंत भंडारी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस समावेशी समाज के निर्माण का संदेश देता है। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों में प्रतिभा और क्षमताओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता उन्हें उचित अवसर, मंच, मार्गदर्शन एवं सहयोग उपलब्ध कराने की है। उन्होंने बताया कि पेरेंट्स सोसायटी द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के विशेषज्ञों द्वारा उपस्थित अभिभावकों एवं शिक्षकों को सांकेतिक भाषा के बुनियादी

संकेतों की जानकारी एवं प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही बच्चों को सांकेतिक भाषा के महत्व, इतिहास एवं दैनिक जीवन में इसके उपयोग के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों द्वारा छात्रावास में निवासरत बालकों को इन-हाउस ड्रेस, बेडशीट एवं पिलो कवर भी वितरित किए गए। कार्यक्रम के अंत में छत्र महेन्द्र सिंगाड़ ने सांकेतिक भाषा के माध्यम से उपस्थित अतिथियों एवं सहभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में श्री अनिल बिसने, श्री विकास जोशी, श्री निखिल शर्मा, सुश्री जयश्री कहार, श्री अरुण महाकुड़, श्री जीवन परमार, श्री जितेन्द्र रावत, श्री सुनील भूरिया, विशेष शिक्षक श्री अनिल वसुनिया सहित दिव्यांग के जिलों में चिन्हित वनग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित करने की प्रक्रिया में भी तेजी लाई जाए। उन्होंने यह निर्देश वसुंधराली रूप से

अवैध रेत एवं खनिज परिवहन-भंडारण पर कलेक्टर की सख्ती



नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अवैध खनन, खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी ऋम में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम, 2022 के प्रावधानों के तहत 10 प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए संबंधित वाहन मालिकों पर कुल 4 लाख 86 हजार 950 रुपये की शাস्ति अधिरोपित की है। यह कार्रवाई जिला खनिज अधिकारी द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदनों के आधार पर की गई है। जिला खनिज अधिकारी के अनुसार 10 सितम्बर 2026 को तहसील नीमच के किलेश्वर मंदिर के सामने जांच के दौरान ट्रैक्टर क्रमांक MP44ZD3115 से रेत का अवैध परिवहन पाए जाने पर वाहन मालिक श्रीमती जरीना बी पति सत्तार खां निवासी स्कीम नं.9 शकर ऑयल मील के सामने , तहसील नीमच के विरुद्ध कार्रवाई की गई। प्रकरण में रॉयल्टी की 15 गुना राशि 3 हजार 750 रुपये तथा 25 हजार रुपये पर्यावरण क्षतिपूर्ति सहित कुल 28 हजार 750 रुपये की शस्ति अधिरोपित की गई। इसी दिन ग्राम बिसलवास खदान तह-नीमच से ट्रैक्टर न्यू फार्मटके 45 से खनिज का अवैध परिवहन पाए जाने पर वाहन मालिक राकेश पिता ओमप्रकाश गोस्वामी निवासी बिसलवासखुर्द, तहसील नीमच के विरुद्ध कार्रवाई की गई। प्रकरण में रॉयल्टी की 15 गुना राशि 3 हजार 600 रुपये तथा 25 हजार रुपये पर्यावरण क्षतिपूर्ति सहित कुल 28 हजार 600 रुपये की शस्ति अधिरोपित की गई।

पाइपलाइन की गुणवत्ता और ठेकेदार के भुगतान पर घिरी जीरन नगर परिषद, CMO चैंबर में तीखे सवाल-जवाब

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद जीरन में बुधवार को परिषद सम्मेलन के बाद उस समय माहौल गरमा गया, जब पूर्व मंडल अध्यक्ष मधुसूदन राजोरा सहित पार्षद प्रतिनिधियों ने नगर में चल रहे पाइपलाइन कार्य की गुणवत्ता और एक ठेकेदार के भुगतान को लेकर मुख्य नगर पालिका अधिकारी कपिल सिंह राजावत के चैंबर में पहुंचकर सवाल उठाए। इस दौरान पाइपलाइन की गहराई, निर्माण कार्य की गुणवत्ता और पूर्व में रोके गए भुगतान की प्रक्रिया को लेकर तीखी चर्चा हुई। चर्चा के दौरान जनप्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि नगर में पाइपलाइन बिछाने के दौरान निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। उनका कहना था कि कई स्थानों पर पाइपलाइन अप्रक्षिप्त गहराई में नहीं दबाई जा रही है। ऐसे में भविष्य में सड़क निर्माण, खुदाई या अन्य कार्यों के दौरान



पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने की आशंका बनी रह सकती है। जनप्रतिनिधियों ने पाइपलाइन कार्य की गुणवत्ता की जांच कराने और यदि मानकों का उल्लंघन पाया जाता है तो जिम्मेदारी तय करने की मांग उठाई।

करीब एक साल पुराने भुगतान पर फिर उठे सवाल-मामले में पूर्व मंडल अध्यक्ष मधुसूदन राजोरा ने करीब एक साल पुराने फिल्टर प्लांट और पाइपलाइन कार्य से जुड़े ठेकेदार विजय प्लास्टिक के भुगतान का मुद्दा उठाया। राजोरा के अनुसार,



के अधिकारियों ने विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण किया। जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती ऐश्वर्या मुंदड़ा ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पड़दा एवं शासकीय हाईस्कूल

भाटखेड़ी पहुंचकर उमंग दिवस की गतिविधियों का अवलोकन किया। इसी ऋम में ए.डी.पी.सी. समग्र शिक्षा श्री निखिल पाटीदार ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जनकपुर मोरवन, सहायक संचालक श्री एस.एम. मांगरिया ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चिताखेड़ा, सहायक संचालक श्री मनोज जैन ने सांदीपनि विद्यालय, नीमच तथा सहायक साध्विकी अधिकारी डॉ. अश्वय सिंह बावल ने सीआरपीएफ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की मनोज जैन ने सांदीपनि विद्यालय, नीमच तथा सहायक साध्विकी अधिकारी डॉ. माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। नोडल अधिकारी उमंग, जिला नीमच श्री राजेश मलिक ने भी विभिन्न विद्यालयों में आयोजित

500 से ज्यादा किसानों की मौजूदगी में कृषि कार्यशाला, कलेक्टर बोले- उन्नत खेती से बड़ेगी किसानों की आय

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान के तहत बुधवार को नीमच के टाउन हॉल में जिला स्तरीय कृषि कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें जिलेभर से करीब 500 से 600 किसान और उन्नत कृषक शामिल हुए। कार्यशाला में किसानों को आधुनिक खेती, फसल प्रबंधन, उद्यानिकी, पशुपालन और उर्वरक-कीटनाशकों के संतुलित उपयोग की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में उन्नत खेती कर रहे किसानों ने अपने अनुभव भी साझा किए। वहीं अधिकारियों ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से किसानों को खेती को अधिक लाभकारी बनाने के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी। किसानों की समस्याओं और सवालों के समाधान के लिए प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया। फसल की लागत से लेकर शुद्ध लाभ तक का चार्ट जारी- कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने कार्यशाला में दो महत्वपूर्ण चार्ट का विमोचन किया। पहले चार्ट में जिले में उगाई जाने वाली विभिन्न फसलों की लागत, प्राप्त लाभ और शुद्ध



लाभ का तुलनात्मक विश्लेषण दिया गया है। इससे किसान अलग-अलग फसलों की आर्थिक उपयोगिता को समझकर खेती से जुड़े बेहतर निर्णय ले सकेंगे। वहीं दूसरे चार्ट में अलग-अलग फसलों के लिए आवश्यक कीटनाशक और उर्वरक, उनकी मात्रा और उपयोग की जानकारी दी गई है। इसका उद्देश्य किसानों को जरूरत के

अनुसार संतुलित मात्रा में उर्वरक और कीटनाशकों के उपयोग के लिए जागरूक करना है। पशुपालन के KCC में बढ़ा लक्ष्य, 50 करोड़ तक पहुंची राशि- कलेक्टर ने बताया कि पशुपालन के क्षेत्र में किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऋण वितरण में भी बढ़ोतरी हुई है। पहले पशुपालन के लिए 14 करोड़ रुपये का KCC ऋण दिया जाता था, जबकि इस वर्ष करीब 50 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध कराई गई है। प्रशासन का लक्ष्य अगले दो वर्षों में इसे 100 करोड़ रुपये से अधिक करने के है। उन्होंने बताया कि ब्याज संबंधी प्रावधानों का लाभ लेते हुए पशुपालक पशु खरीदने और पशुपालन गतिविधियों को बेहतर करने के लिए

इस राशि का उपयोग कर सकते हैं। इससे दूध उत्पादन बढ़ाने में भी मदद मिलने की उम्मीद है। जैविक और प्राकृतिक खेती पर भी फोकस- कलेक्टर ने बताया कि जिले में उन्नत पाछ योजना, डेयरी प्लस योजना के साथ जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं। जावू क्षेत्र में करीब एक हजार किसानों को जोड़कर क्लस्टर विकसित करने की दिशा में भी काम किया जा रहा है। इसके अलावा किसानों को आधुनिक कृषि उपकरण उपलब्ध कराने और शासन की किसान हितैषी योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर भी प्रशासन का फोकस है। कार्यशाला में नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार, जावद विधायक ओमप्रकाश सकलेचा, जिला पंचायत अध्यक्ष सज्जन सिंह चौहान, सांसद प्रतिक आदित्य मालू, जिला पंचायत CEO अमन बैण्णव सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

संभाग के सभी जिलों में अवैध कटाई, अतिक्रमण एवं अन्य अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए विशेष कार्ययोजना बनाकर करें कार्यवाही



झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त श्री भास्कर लाक्षाकार ने कहा कि संभाग के सभी जिलों में अवैध कटाई, अतिक्रमण एवं अन्य गतिविधियों की रोकथाम के लिए विशेष कार्ययोजना बनाकर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। इस दिशा में सभी विभाग समन्वित प्रयास करें। उन्होंने कहा कि संभाग के जिलों में चिन्हित वनग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित करने की प्रक्रिया में भी तेजी लाई जाए। उन्होंने यह निर्देश वसुंधराली रूप से

सम्पन्न हुई संभागीय टास्क फोर्स समिति की बैठक में दिए। बैठक में संभागायुक्त श्री भास्कर लाक्षाकार ने निर्देश दिए कि वन अधिकार पट्टों की कार्रवाई नियमानुसार पारदर्शी रूप से करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वन अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्रत्येक लंबित प्रकरण का परीक्षण कर समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि वन क्षेत्रों में अवैध कटाई, अतिक्रमण तथा अन्य

अवैध गतिविधियों के रोकथाम को गंभीरता से लिया जाए। इस संबंध में प्रभावी नियंत्रण के लिए जिला स्तर पर विशेष कार्ययोजना बनाकर उसके अनुरूप निरन्तर कार्रवाई की जाए। वन क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों और अतिक्रमण की रोकथाम के लिए वन विभाग के साथ ही पुलिस और राजस्व सहित सभी संबंधित विभाग समन्वय से कार्य करें। संवेदनशील क्षेत्रों को चिन्हित कर नियमित निगरानी की जाए। गठित गश्ती दल नियमित रूप से भ्रमण करें और संधिस्थ गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि दुर्गम क्षेत्रों में निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित करें। वन क्षेत्रों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए सतत निगरानी के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर भी जागरूकता और सहभागिता को बढ़ावा दें। बैठक में कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट, पुलिस अधीक्षक श्री देवेन्द्र पाटीदार एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी वीसी के माध्यम से उपस्थित रहे।

सेवा से संकल्प अभियान के तहत सीएचसी पिटोल में रक्तदान शिविर आयोजित



झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा से संकल्प अभियान के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पिटोल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के नागरिकों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए स्वैच्छिक रक्तदान किया। शिविर के दौरान कुल 42 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। रक्तदान शिविर का डिप्टी कलेक्टर श्री सुनील डावर एवं डीएचओ-1 डॉ. जितिन भार्गव द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने रक्त संग्रहण, स्वास्थ्य परीक्षण एवं रक्तदाताओं के लिए की गई आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने रक्तदान करने पहुंचे नागरिकों का उत्साहवर्धन करते हुए मानव सेवा के इस पुनीत कार्य में उनकी सहभागिता की सराहना की। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा रक्तदाताओं का आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण करने के पश्चात रक्त संग्रहण किया गया। रक्तदान के दौरान आवश्यक चिकित्सकीय एवं अन्य व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई। रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा उनके इस महत्वपूर्ण योगदान के लिए आभार व्यक्त किया गया। सेवा से संकल्प अभियान के तहत आयोजित रक्तदान शिविर के माध्यम से नागरिकों को स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूक एवं प्रेरित किया गया। रक्तदाताओं ने जल्दतरफद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत सारंगी में रक्तदान शिविर आयोजित, 90 यूनिट रक्त संग्रहित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत तेरापथ युवक परिषद, सारंगी के तत्वावधान में सारंगी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए स्वैच्छिक रक्तदान किया। शिविर के माध्यम से कुल 90 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एम.एल. चोपड़ा एवं एसडीएम श्रीमती रितिका पाटीदार के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में रक्तदाताओं ने आगे आकर रक्तदान किया और जल्दतरफद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। शिविर के सफल आयोजन में सीबीएमओ डॉ. अंतिम कुमार सोलंकी, जनपद पंचायत पेटलवाद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गौरव जैन, डॉ. मोहनिस पाटीदार, तेरापथ युवक परिषद सारंगी के अध्यक्ष श्री दर्शन बन्बोरी एवं सचिव श्री संस्कार बन्बोरी सहित अन्य सहयोगियों की सक्रिय सहभागिता रही। जिला ब्लड यूनिट की टीम द्वारा शिविर में रक्त संग्रहण के साथ ही रक्तदाताओं की आवश्यक स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सकीय व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई। रक्तदाताओं ने उत्साह के साथ रक्तदान कर सेवा संकल्प अभियान में अपनी सहभागिता दर्ज कराते हुए सामाजिक सेवा एवं जनकल्याण का संदेश दिया। आयोजकों ने सभी रक्तदाताओं एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्तदान जरूरत के समय किसी व्यक्ति के जीवन की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नियमित एवं स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति समाज में जागरूकता और सहभागिता बढ़ाना आवश्यक है। सारंगी में 90 यूनिट रक्त संग्रहण के साथ संपन्न यह रक्तदान शिविर सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जनभागीदारी, सहयोग और सेवा की भावना का सार्थक उदाहरण बना।

सड़क चौड़ीकरण के लिए संत ने खुद हटवा दिया आश्रम का निर्माण

जेसीबी पहुंची तो फूलमाला से किया स्वागत- सिंहस्थ की राह में 4000 वर्गफीट जमीन दी स्वेच्छ से

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ की तैयारियों के बीच शहर में सड़क चौड़ीकरण को लेकर कहीं विरोध तो कहीं सहमति के उदाहरण सामने आ रहे हैं। जयसिंहपुरा में श्री अभिराम आश्रम ने विकास कार्य के लिए अलग मिसाल पेश की। सड़क चौड़ीकरण की जद में आ रही आश्रम की 4000 वर्गफीट जमीन प्रशासन को स्वेच्छ से देने के साथ वहां बना पक्का निर्माण भी आश्रम प्रबंधन ने अपने स्तर पर हटवा दिया।

जब निर्माण हटाने के लिए जेसीबी आश्रम पहुंची तो विरोध के बजाय उसका फूलमाला से स्वागत किया गया। आश्रम के संस्थापक आचार्य आशुतोष ने पहले जेसीबी का पूजन किया और फिर चालक को फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया। मौके

प्रशासनिक पुनर्गठन का उद्देश्य आमजन को सरल, सुलभ एवं जनोन्मुखी प्रशासन उपलब्ध कराना- श्री मिश्रा



आयोजित हुई। बैठक में जिले की भौगोलिक परिस्थितियों, जनसंख्या, क्षेत्रफल, प्रशासनिक आवश्यकताओं तथा जन अपेक्षाओं के अनुरूप प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी, सुलभ एवं जनोन्मुखी बनाने पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

आयोग अध्यक्ष श्री एस.एन. मिश्रा ने कहा कि प्रशासनिक पुनर्गठन का उद्देश्य आमजन को सरल, सुलभ एवं जनोन्मुखी प्रशासन उपलब्ध कराना है। प्रशासनिक इकाइयों का गठन एवं पुनर्गठन स्थानीय आवश्यकताओं तथा आमजन की सुविधा को केंद्र में रखकर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक इकायों के पुनर्गठन एवं युक्तियुक्तरण से प्रशासनिक कार्यों की दक्षता बढ़ेगी तथा नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी प्रशासनिक इकाई के पुनर्गठन से पूर्व जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों से चर्चा कर उनकी राय ली जाए। संभाग, जिला, तहसील एवं जनपद विकासखंड सहित विभिन्न प्रशासनिक इकाइयों के सुजन, पुनर्गठन, युक्तियुक्तकरण अथवा विलोपन से संबंधित प्रस्ताव निर्धारित प्रपत्र में आवश्यक तथ्यों एवं कारणों सहित कलेक्टर के माध्यम से आयोग को उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने भविष्य में नवीन प्रशासनिक इकाइयों के गठन के लिए स्पष्ट एवं व्यावहारिक मार्गदर्शी सिद्धांत विकसित करने पर भी जोर दिया। आयोग अध्यक्ष श्री मिश्रा ने प्रशासनिक इकाइयों के आकार, कार्यभार एवं दायित्वों के अनुरूप पद संरचना निर्धारित करने तथा मानव संसाधन के युक्तियुक्त उपयोग की आवश्यकता बताई। उन्होंने विभिन्न पदों के लिए आवश्यक कौशल एवं दक्षताओं की जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक सक्षम एवं परिणामोन्मुख बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि पुनर्गठन प्रक्रिया में बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा। तहसीलों एवं जयपदों की सीमाओं का परिसीमन इस प्रकार किया जाएगा, जिससे अधिकतम लोगों को प्रशासनिक सुविधाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि नवीन प्रशासनिक इकाइयों के गठन के लिए आयोग द्वारा मार्गदर्शी सिद्धांत तैयार किए गए हैं, जिनमें जनसंख्या संतुलन, भौगोलिक दूरी, प्राकृतिक सीमाएं एवं औद्योगिक क्षेत्रों जैसे महत्वपूर्ण कारकों को शामिल किया गया है।

परिवार विकास सम्मेलन के माध्यम से परिवार नियोजन के प्रति किया जाएगा जागरूक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष 2026-27 में परिवार नियोजन एवं मातृ-स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए ग्राम आरोग्य केन्द्र स्तर पर -परिवार विकास सम्मेलन (सास-बहू सम्मेलन)+ आयोजित किए जाएंगे। इन सम्मेलनों के माध्यम से परिवार नियोजन के साधनों की स्वीकार्यता बढ़ाने तथा यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य के संबंध में समुदाय में जागरूकता लाने का प्रयास किया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला उज्जैन द्वारा बताया गया है कि परिवार विकास सम्मेलन का उद्देश्य समुदाय के दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव लाना, परिवार नियोजन के साधनों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा योग्य दंपतियों को उपलब्ध परिवार नियोजन सेवाओं की जानकारी प्रदान करना है। सम्मेलन में विशेष रूप से उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं, दो से अधिक बच्चों वाली महिलाओं तथा ऐसे दंपतियों को प्राथमिकता से शामिल किया जाएगा, जिन्होंने अभी तक परिवार नियोजन के किसी साधन का उपयोग नहीं किया है।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी एवं परिवार कल्याण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. मंजूषा पिप्पल द्वारा बताया कि सम्मेलन में प्रजनन आयु वर्ग 15 से 49 वर्ष की विवाहित महिलाओं एवं उनके परिवार के सदस्यों को आमंत्रित कर परिवार नियोजन के अस्थायी एवं स्थायी साधनों, उनके लाभ तथा उपलब्ध सेवाओं के संबंध में समझावश दी जाएगी। साथ ही दंपतियों को बास्केट ऑफ चॉइस के अंतर्गत अपनी आवश्यकता एवं सुविधा के अनुसार परिवार नियोजन का साधन अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।



पर मौजूद लोगों के लिए यह दृश्य चर्चा का विषय रहा।

60 फीट चौड़ा होगा मार्ग- जयसिंहपुरा अंडरपास से नूतन स्कूल होते हुए चारधाम

पार्किंग तक सड़क चौड़ीकरण का काम किया जा रहा है। करीब 60 फीट यानी 18 मीटर चौड़ा सीसी रोड बनाया जाएगा। इस मार्ग के तैयार होने के बाद चारधाम पार्किंग से त्रिवेणी घाट की ओर आने-जाने की कनेक्टिविटी बेहतर होने की उम्मीद है। इसी प्रस्तावित मार्ग के लिए श्री अभिराम आश्रम की जमीन का हिस्सा प्रभावित हो रहा था। आश्रम प्रबंधन ने जमीन को लेकर किसी तरह का विवाद खड़ा करने के बजाय विकास कार्य में सहयोग का निर्णय लिया।

पहले खुद हटवाया पक्का निर्माण- आश्रम के संस्थापक आचार्य आशुतोष ने सड़क की जद में आ रहे पक्के निर्माण को प्रशासन की कार्रवाई का इंतजार किए बिना अपने स्तर पर हटवाना शुरू कर दिया। मंगलवार को जेसीबी से निर्माण हटाने की कार्रवाई आगे

सूर्य विषुवत रेखा के ठीक ऊपर, दिन-रात रहे लगभग बराबर

जीवाजी वेधशाला में शंकु और नाड़ीवलय यंत्र से पर्यटकों को समझाई खगोलीय घटना- अब धीरे-धीरे छोटे होंगे दिन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बुधवार, 23 सितंबर को साल की प्रमुख खगोलीय घटनाओं में से एक विषुव (संपात) की स्थिति बनी। इस दिन सूर्य विषुवत रेखा के ठीक ऊपर रहा, जिसके कारण दिन और रात की अवधि लगभग बराबर रही। उज्जैन की शासकीय जीवाजी वेधशाला में इस खगोलीय घटना को पर्यटकों को शंकु यंत्र और नाड़ीवलय यंत्र के माध्यम से प्रत्यक्ष रूप से समझाया गया। वेधशाला पहुंचने वाले पर्यटकों को सूर्य की स्थिति, छाया में होने वाले बदलाव और इसके प्रभावों की जानकारी दी गई।

वेधशाला के अधीक्षक डॉ. राजेंद्रप्रकाश गुप्त ने बताया कि पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करती है। इस कारण वर्षभर सूर्य की स्थिति कर्क रेखा और मकर रेखा के बीच बदलती हुई दिखाई देती है। वर्ष में दो अवसर ऐसे आते हैं, जब सूर्य विषुवत रेखा के ठीक ऊपर होता है। इन्हें विषुव या संपात कहा जाता है। सामान्यतः ये स्थितियां 21 मार्च और



23 सितंबर के आसपास बनती हैं।

शंकु यंत्र से दिखाई सूर्य की छाया - जीवाजी वेधशाला में बुधवार को पर्यटकों को शंकु यंत्र के माध्यम से सूर्य की किरणों और उससे बनने वाली छाया की स्थिति समझाई गई। वहीं नाड़ीवलय यंत्र की सहायता से सूर्य की स्थिति और उसकी गति को समझाया गया। पर्यटकों ने यंत्रों के माध्यम से इस खगोलीय घटना को देखा और विशेषज्ञों से इससे जुड़े सवाल भी पूछे।

फायर ब्रिगेड के पास हाइड्रोलिक फायर गाड़ी भी नहीं, पुराने वाहन भी खटारा

आगजनी की बढ़ती घटनाओं के बीच दमकल विभाग संसाधनों की कमी से जूझ रहा, कई वाहन बंद- नए और आधुनिक वाहनों की जरूरत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में लगातार बढ़ते विस्तार और आगजनी की घटनाओं के बीच दमकल विभाग की व्यवस्था खुद संसाधनों की कमी से जूझ रही है। फायर स्टेशन में खड़े कई वाहन पुराने और खटारा हो चुके हैं, जबकि कुछ लंबे समय से बंद बताए जा रहे हैं। सबसे बड़ी कमी हाइड्रोलिक फायर गाड़ी की है। ऐसे में ऊंची इमारतों में आग लगने पर दमकल विभाग के सामने चुनौती और बढ़ सकती है।

शहर की आबादी और व्यावसायिक क्षेत्र लगातार बढ़ रहे हैं। नई कॉलोनियां बस रही हैं और बाजार क्षेत्रों में भीड़ बढ़ रही है। इसके बावजूद फायर ब्रिगेड के वाहनों और आधुनिक संसाधनों में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं हुई है। पुराने वाहनों को बार-बार मरम्मत की जरूरत पड़ती है। कई बार खराब वाहन के कारण मौके पर पहुंचने में भी परेशानी आती है।

दो-तीन जगह एक साथ आग लगी तो बढ़ेगी मुश्किल- शहर में यदि एक

साथ दो या तीन स्थानों पर आग लगने जैसी स्थिति बनती है तो उपलब्ध दमकल वाहनों की संख्या और उनकी तकनीकी स्थिति बड़ी चुनौती बन सकती है। खासकर संकरी गलियों, घनी बस्तियों और बाजार क्षेत्रों में आग पर तत्काल काबू पाना जरूरी होता है। ऐसे स्थानों पर वाहन खराब होने या पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं होने से नुकसान बढ़ने की आशंका रहती है।

पुराने वाहनों की क्षमता और भरोसे

पर असर- फायर ब्रिगेड में इस्तेमाल होने वाले वाहनों की उम्र बढ़ने के साथ उनकी क्षमता और विश्वसनीयता भी प्रभावित होती है। लंबे समय से चल रहे वाहनों में बार-बार मेटेनेंस की जरूरत पड़ती है। वहीं, नए और आधुनिक दमकल वाहनों की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही है। हाइड्रोलिक फायर वाहन की कमी विशेष रूप से गंभीर है, क्योंकि ऊंची इमारतों में आग लगने पर ऐसे वाहनों की उपयोगिता बढ़ जाती है।

नियमित सर्विसिंग और नए वाहनों की जरूरत- दमकल विभाग के वाहनों की नियमित सर्विसिंग, समय पर मरम्मत और जरूरी अपग्रेडेशन की उपलब्धता जरूरी है। साथ ही पुराने और अनुपयोगी वाहनों को चरचबद्ध तरीके से हटाकर नए वाहनों को बड़े में शामिल करने की जरूरत है। शहर के बढ़ते क्षेत्रफल, आबादी और व्यावसायिक गतिविधियों को देखते हुए फायर ब्रिगेड को आधुनिक संसाधनों से लैस करना जरूरी हो गया है।

पांच दिन बैंक बंद... महीने में दूसरी बार हड़ताल

28 से 30 सितंबर तक कर्मचारी रखेंगे तालाबंदी, 26-27 को सप्ताहांत की छुट्टी- 1 अक्टूबर को खुलेंगे बैंक, 2 को फिर अवकाश



लेकर देशभर में आंदोलन चल रहा है। उनका कहना है कि आरबीआई, एलआईसी तथा केंद्र और राज्य सरकार के कार्यालयों में पांच दिन का कार्य सप्ताह लागू है, लेकिन बैंकिंग क्षेत्र इससे अब भी बाहर है। सितंबर में दूसरी बार तालाबंदी- बैंक कर्मचारी इससे पहले 11 सितंबर को भी एक दिन की राष्ट्रव्यापी हड़ताल कर चुके हैं। अब दूसरी हड़ताल के कारण सितंबर में बैंकिंग व्यवस्था पर एक बार फिर असर पड़ेगा। उज्जैन में करीब 297 बैंक शाखाओं के 4 हजार से अधिक कर्मचारियों के हड़ताल में शामिल होने की बात कही गई है।

सोने की नकली ईट थमाकर ठगे थे 8 लाख, गिरफ्त में आरोपी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पुजारी को सोने की नकली ईट थमाकर 8 लाख की ठगी करने वाला 20 माह बाद गिरफ्त में आ गया। आरोपी 10 लाख की कार और ट्रैक्टर भी ठग चुका था। पृष्ठछाछ के लिये पुलिस ने 3 दिनों की रिमांड पर लिया है।

चिमनगंज टीआई विवेक कनोडिया ने बताया कि जनवरी 2025 में अतिरिक्त विश्वबैंक कालोनी में रहने वाले पंचमुखी हनुमान मंदिर के पुजारी शीतलप्रसाद शर्मा ने शिकायती आवेदन देकर बताया था कि उनके साथ शहीदनगर में रहने वाले हितेश पिता कमल सोलंकी ने 1 किलो 400 ग्राम सोने की नकली ईट (2 प्लेट) असली बताकर 8 लाख की धोखाधड़ी की है। शिकायत पर मामले की जांच शुरू की गई थी। हितेश सोलंकी लगातार फरार चल रहा था। 20 माह बाद उसके शहीदनगर आने की खबर मिलते ही उसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। जिसे न्यायालय में पेश कर 3 दिनों की रिमांड पर लिया गया है। आरोपी से पूछताछ में पता चला कि पिछले साल तराना में भी एक व्यक्ति को लोन दिलाने का झांसा देकर ट्रैक्टर हड़प लिया था। तराना पुलिस से संपर्क किया गया है, जहां आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज होना सामने आया है। टीआई कनोडिया के अनुसार आरोपी के खिलाफ 10 लाख की कार ठगने का



हितेश के बीच मकान सौदे के दौरान संपर्क हुआ था। हितेश ने अपना शहीद नगर स्थित मकान 12.50 लाख में पुजारी को बेचा था। 50 हजार रुपये बयाना दिया गया था। कुछ दिन बाद हितेश पुजारी के पास सोने की ईट लेकर पहुंचा और कहा कि 8 लाख मुझे देकर ईट ले लो। मकान सौदे का हिस्सा भी पूरा हो जायेगा। बातों में उलझे पुजारी ने 8 लाख दे दिये। जब ईट की जांच कराई तो नकली होना सामने आई।

देवास से लाना बताया नकली ईट- पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी ने बताया कि वह नकली सोने की ईट देवास के युवक से लाया था। पुलिस मंगलवार को उसकी निशानदेही पर देवास दंभश देने पहुंची है। बताया यह भी जा रहा है कि आरोपी की पत्नी सनशाइन टॉवर में फायरमेंस कक्षांन चलती थी। जिसके चलते वह कई लोगों को लोन दिलाने के नाम पर ठग चुका है। उसके खिलाफ कुछ ओर लोग सामने आ सकते है।

सेवा से जनभागीदारी तक-2 से 10 अक्टूबर तक प्रदेश में चलेगा ‘सेवा मेरा योगदान’ अभियान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग ने सेवा मेरा योगदान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये आदेश जारी किया है। सेवा को केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि नागरिक जीवन का संस्कार और सामाजिक दायित्व बनाने की दिशा में प्रदेश व्यापक पहल की जा रही है। ‘सेवा संकल्प अभियान-2026’ के अंतर्गत ‘सेवा मेरा योगदान’ अभियान 2 से 10 अक्टूबर तक प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित होगा। अभियान द्वारा समाज के हर वर्ग को सेवा कार्यों से जोड़ते हुए जनभागीदारी को जनआंदोलन का स्वरूप देने का प्रयास किया जाएगा।

अभियान में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण से लेकर योग एवं ध्यान, साइबर सुरक्षा, सड़क सुरक्षा, नशामुक्ति, ‘बोकेल फॉर लोकल’, वीर गाथा एवं सैनिक सम्मान, सरकारी योजनाओं की जागरूकता तथा अनाथालय और वृद्धाश्रमों में सेवा जैसी 10 व्यापक गतिविधियां शामिल की गई हैं। खास बात यह है कि इन गतिविधियों को केवल शासकीय विभागों तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों, वरिष्ठ नागरिकों, व्यापारियों, खिलाड़ियों, कलाकारों,

कारिगरों, साहित्यकारों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं और महिला स्व-सहायता समूहों तक को सहभागी बनाया जाएगा। गांधी जयंती पर स्वच्छता और हरियाली का संदेश - 2 अक्टूबर को अभियान की शुरुआत गांधी जयंती ‘स्वच्छता ही सेवा’ और वृक्षारोपण अभियान के साथ होगी।

गांव से लेकर शहर तक धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों, शासकीय परिसरों, विद्यालय- महाविद्यालयों, उद्यानों, बाजारों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, चिकित्सालयों और गौशालाओं में स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की जाएगी। कुएं, बावड़ी, तालाब, नदी तट और घाटों जैसे जल स्रोतों पर विशेष स्वच्छता, श्रमदान और सामूहिक संकल्प कार्यक्रम होंगे।

इसी क्रम में पड़त भूमि, नदी और जल स्रोतों के किनारे तथा सार्वजनिक एवं शासकीय परिसरों में पौधारोपण किया जाएगा। अभियान का जोर केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि लगाए गए पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित की जाएगी। वन विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय प्रशासन तथा सामाजिक

राजीव रत्न के बदमाश ने चुराई थी रिक्शा, जेल भेजा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अगर रोड से रिक्शा चोरी करने वाले बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। रिक्शा बरामद करने के बाद बदमाश को जेल भेजा गया है।

उदूपुरा में रहने वाला चंद्रभान पिता लालसिंह रिक्शा चलाता है। 17 सितंबर को वह वृद्ध महिला को छोड़ने के लिए अगर रोड अहमदनगर पहुंचा था। महिला काफी बुजुर्ग थी चंद्रभान ने अपनी रिक्शा सड़क किनारे खड़ी की और वृद्ध को पैदल घर तक छोड़ने के लिए गली में चला गया। वापस लौटा तो उसकी रिक्शा गायब थी। आसपास तलाश करने के बाद चालक ने रिक्शा चोरी की शिकायत चिमनगंज थाना पुलिस को दर्ज कराई। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे देखें। रिक्शा चुराने वाला दिखाई दिया जिसकी पहचान के प्रयास शुरू किए गए। नीलगंगा थाने से स्थानांतरित होकर चिमनगंज थाने आए आरक्षक दीपक दिनकर ने बदमाश को पहचान लिया। रिक्शा चुराने वाला नीलगंगा थाना क्षेत्र की राजीव रत्न मल्टी का रहने वाला अफताब उर्फ सनी था। जिसकी गिरफ्तारी के प्रयास शुरू किए गए। रविवार रात उसे हिरासत में लिया गया और मंगलनाथ क्षेत्र में छुपा कर रखी गई रिक्शा बरामद कर ली गई। प्रधान आरक्षक अशोक गौड़ ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी अपराध दर्ज हैं। चोरी का मामला दर्ज कर पूछताछ के बाद मंगलवार को न्यायालय में पेश किया गया था।

लहसुन बेचकर लौट रहे युवक को कार ने कुचला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मंडी से लहसुन बेचकर घर लौट रहे बाइक सवार युवक को कार ने कुचल दिया। युवक की मौके पर मौत हो गई एंबुलेंस बांड़ी लेकर सड़क अस्पताल पहुंची। के पास मिले दस्तावेजों से पहचान कर परिजनों को सूचना दी गई। अगर जिले के ग्राम मलवासामें रहने वाला कालू पिता नारायण खेती किसानी का काम करता था। मंगलवार को वह लहसुन की कुछ कट्टीयां लेकर बाइक से उज्जैन आया था लहसुन का सौदा करने के बाद रात में वह बाइक से अपने गांव लौट रहा था घोंसला और डाबला खुद के बीच तेज गति से आई कार ने उसे कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल हो गया था एंबुलेंस पहुंचती उससे पहले मौके पर मौत हो गई थी। उसे चरक अस्पताल लाया गया डॉक्टर ने शव पोस्टमार्टम कक्ष भेज दिया। उसके पास मिले दस्तावेजों से पहचान होने पर रात में ही परिजनों को सूचना दी गई। बुधवार सुबह अस्पताल चौकी ने पोस्टमार्टम कार्याय परिजनों ने बताया कि कालू की 2 साल पहले शादी हुई थी और एक बेटा है। पुलिस द्वारा मामले की जांच राघवी थाना पुलिस को भेजी जाएगी।

नशा मुक्त युवा- विकसित भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत शपथ कार्यक्रम आयोजित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नशा मुक्त युवा ही विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्ति हैं’ के संदेश के साथ नशा मुक्त युवा ड्डु विकसित भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उज्जैन में जागरूकता एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य नशे के विरुद्ध लड़ाई को जनभागीदारी के माध्यम से व्यापक जनआंदोलन का रूप देना है। इसी क्रम में युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, समाज में नशामुक्ति का संदेश प्रसारित करने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।